www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 77 ■ जशपुर, 06 नवंबर 2026 (शुक्रवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

कारोबारी के लग्जरी काफिले के आगे दौड़ी पुलिस की स्कॉर्पियो, वीडियो से उठे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल



❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी में एक सर्राफा कारोबारी के लग्जरी वाहनों के काफिले के साथ पुलिस की सफेद स्कॉर्पियो चलने का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में कारोबारी कार्तिक गिरि के काफिले के आगे पुलिस वाहन दिखाई दे रहा है। वहीं, काफिले में शामिल कुछ लोग चलती गाडिय़ों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट करते नजर आ रहे हैं। इस घटनाक्रम ने पुलिस की कार्यप्रणाली और सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निजी काफिले को पुलिस की पायलटिंग क्यों

वीडियो सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि एक निजी कारोबारी के काफिले के साथ पुलिस वाहन किस आधार पर लगाया गया था। क्या कारोबारी को किसी तरह का सुरक्षा खतरा था? क्या इसके लिए विभाग की ओर से सुरक्षा आकलन किया गया था और सक्षम अधिकारी की अनुमति ली गई थी?

आमतौर पर पुलिस वाहन और जवानों की तैनाती कानून-व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा और अधिकृत सुरक्षा जरूरतों के लिए की जाती है। ऐसे में निजी काफिले के आगे पुलिस वाहन की मौजूदगी ने इसकी आधिकारिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस वाहन की तैनाती का रिकॉर्ड कहां?

विभाग से यह स्पष्ट करने की अपेक्षा की जा रही है कि संबंधित कारोबारी को किस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। पुलिस वाहन किस अधिकारी के निर्देश पर भेजा गया और क्या इसके लिए कोई लिखित आदेश जारी हुआ था? यदि यह अधिकृत सुरक्षा व्यवस्था थी तो उसका आधार और तैनाती का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

वहीं, यदि बिना अनुमति सरकारी वाहन और पुलिसकर्मियों का इस्तेमाल किया गया है तो इसकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

चलती गाड़ियों में स्टंट, पुलिस की निगरानी पर सवाल

इस घटनाक्रम का दूसरा गंभीर पहलू यातायात नियमों से जुड़ा है। वीडियो में काफिले के कुछ लोग चलती गाडिय़ों से बाहर निकलकर स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह की गतिविधियां अन्य वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा पैदा कर सकती हैं।

ऐसे में सवाल है कि जब काफिले के आगे पुलिस की गाड़ी मौजूद थी, तब इन गतिविधियों को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की गई? क्या पुलिसकर्मियों ने इस तरह के स्टंट पर ध्यान नहीं दिया या फिर यातायात नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज किया गया?

पुलिस लाइन के आरआई के बयान से बढ़ी चर्चा

मामले में पुलिस लाइन के आरआई की ओर से घटनाक्रम की जानकारी नहीं होने की बात सामने आने के बाद पुलिस वाहन की तैनाती को लेकर सवाल और बढ़ गए हैं। यदि पुलिस वाहन आधिकारिक आदेश पर भेजा गया था तो संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं थी? वहीं, यदि तैनाती अनधिकृत थी तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है?

आम नागरिकों पर कार्रवाई, फिर इस मामले में क्या होगा?

रायपुर में यातायात पुलिस नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार चालानी कार्रवाई करती है। ऐसे में पुलिस वाहन के साथ चल रहे काफिले में स्टंट का वीडियो सामने आने के बाद लोगों की नजरें अब विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं।

क्या वीडियो के आधार पर संबंधित वाहन चालकों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी? क्या पुलिस वाहन की तैनाती और सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल की आंतरिक जांच होगी?

फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस कमिश्नरेट की ओर से आधिकारिक स्पष्टीकरण और जांच का इंतजार है। अब देखना होगा कि विभाग इस घटनाक्रम को कितनी गंभीरता से लेता है और पुलिस वाहन की तैनाती से लेकर यातायात नियमों के उल्लंघन तक की जिम्मेदारी किस तरह तय करता है।

पत्नि को नाबालिग के साथ आपत्तिजनक हालत में देख पति ने दोनों को बेदम पीटा

एम्बुलेंस बुलाकर पहुंचाया अस्पताल, 15 वर्षीय बालक की इलाज दौरान मौत

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के थाना शंकरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में दशकर्म कार्यक्रम में मां के साथ शामिल होने गए 15 वर्षीय किशोर व एक विवाहिता से बेदम पिटाई करने का मामला सामने आया है। दोनों को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया, यहां लड़के की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की मां के बयान के आधार पर स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है, और शंकरगढ़ थाना पुलिस को इसकी सूचना दी है।

जानकारी के मुताबिक, शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के डीपाडीह का 15 वर्षीय मृतक 4 नवंबर को गांव के गजेंद्र पैकरा के यहां मां के साथ दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने गया था। दोपहर करीब 11.30 बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने मृतक की मां को बताया कि उसके बेटे को गजेंद्र पैकरा ने अपनी पत्नी के साथ नए प्रधानमंत्री आवास में आपत्तिजनक स्थिति में देखा और मारपीट कर रहा है। इसकी सूचना मिलते ही जब वह गजेंद्र की मां के साथ नए घर पहुंची, तो वहां उसका लड़का बेहोश पड़ा था, बात नहीं कर पा रहा था, उसके सिर में गंभीर चोट आई थी और खून निकल रहा था। वहीं गजेन्द्र की पत्नि के शरीर में भी चोट के निशान थे। दोनों के साथ गजेंद्र पैकरा हाथ-मुक्का और डंडे से मारपीट किया थी। इसके बाद गजेंद्र खुद 108 एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और दोनों को शंकरगढ़ अस्पताल ले गया।

शंकरगढ़ में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने इन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। एंबुलेंस से ही दोनों को गजेंद्र के साथ अंबिकापुर लाया गया, यहां डॉक्टरों ने इन्हें भर्ती कर लिया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 4 नवंबर की रात करीब 12 बजे डॉक्टरों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां ने अपने बयान में कहा है कि उसके बेटे की मौत मारपीट में आई चोटों के कारण इलाज के दौरान हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। शंकरगढ़ थाना पुलिस अब आरोपी के विरुद्ध हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज करेगी। महिला का गंभीर हाल में इलाज जारी है।

घरौंदा केंद्रों की बदहाल व्यवस्था उजागर

दिव्यांग को बांधकर रखने का आरोप; रायपुर में 4 महिलाओं की मौत

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में मानसिक रूप से अस्वस्थ और विशेष देखभाल की जरूरत वाले लोगों के लिए संचालित घरौंदा केंद्रों की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बिलासपुर के एक केंद्र में दिव्यांग व्यक्ति को पलंग से बांधकर रखने का मामला सामने आया है। वहीं, रायपुर के घरौंदा केंद्र में एक बच्चे समेत चार महिलाओं की मौत का खुलासा हुआ है। कोर्ट कमिश्नरों की निरीक्षण रिपोर्ट में सामने आई इन स्थितियों पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

बच्चों की मौत और लापता होने का मामला पहले से विचाराधीन

दरअसल, रायपुर के घरौंदा केंद्र में आठ बच्चों की मौत और पांच बच्चों के लापता होने का मामला पहले ही छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के संज्ञान में आ चुका है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने इन घटनाओं को अमानवीय बताते हुए सभी कोर्ट कमिश्नरों को जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे।

11 कोर्ट कमिश्नरों ने किया केंद्रों का निरीक्षण

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने 11 कोर्ट कमिश्नरों की नियुक्ति की थी। इनमें एडवोकेट विवेक श्रीवास्तव, अपूर्व त्रिपाठी, संघर्ष पाण्डेय, शिवाली दुबे और ईश्वर जायसवाल सहित अन्य शामिल हैं। कमिश्नरों ने शासन और केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत संचालित



घरौंदा केंद्रों का निरीक्षण कर वहां की वास्तविक स्थिति से संबंधित रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत की है।

तीन साल में 9 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा

इससे पहले वित्त विभाग और समाज कल्याण विभाग के सचिवों के साथ मुख्य सचिव ने भी हाईकोर्ट में शपथपत्र दाखिल किया था। इसमें बताया गया था कि पिछले तीन वर्षों में सरकार ने इन केंद्रों में रहने वाले बच्चों पर करीब 9 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। हालांकि, निरीक्षण रिपोर्ट में सामने आई स्थितियों ने सरकारी व्यवस्था और देखरेख पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोपलवाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई

इस पूरे मामले की शुरुआत रायपुर की संस्था कोपलवाणी की ओर से दायर जनहित याचिका से हुई। याचिका में वर्ष 2014 से संचालित घरौंदा केंद्र में बच्चों की देखरेख और कथित भुखमरी से मौत के मामलों को उठाया गया था। संस्था ने पहले भी राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी।

अब कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई में सरकार के जवाब और केंद्रों की व्यवस्था सुधारने के लिए उठाए गए कदमों पर सबकी नजर रहेगी।

आरक्षक पर 1.18 करोड़ रुपये के गबन का आरोप, वेतन पर्चियों में हेरफेर कर निकाली रकम

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पुलिस विभाग की वेतन शाखा में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आने के बाद अब राजधानी रायपुर में भी ऐसा ही प्रकरण उजागर हुआ है। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी वाहिनी, माना कैंप में पदस्थ आरक्षक कमलेश कुमार साहू पर करीब 1 करोड़ 18 लाख 30 हजार 739 रुपये के गबन का आरोप लगा है। विभागीय जांच में वेतन पर्चियों में हेरफेर कर पात्रता से अधिक राशि निकालने का खुलासा होने के बाद माना कैंप थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।



प्रारंभिक जांच के मुताबिक, कथित वित्तीय अनियमितता नवंबर 2012 से अप्रैल 2017 के बीच की है। आरोप है कि आरक्षक ने वेतन शाखा से जुड़े कार्यों के दौरान वेतन पर्चियों में बदलाव कर प्रतिनियुक्ति भत्ता और विशेष राशन भत्ते के नाम पर निर्धारित पात्रता से अधिक राशि का आहरण किया। जांच रिपोर्ट में कुल 1,18,30,739 रुपये की अतिरिक्त निकासी का उल्लेख है।

जांच में यह भी सामने आया है कि कथित रूप से निकाली गई रकम आरक्षक के दो बैंक खातों के अलावा उसकी मां विमलाहिन साहू के बैंक खाते में भी जमा कराई गई थी। विभागीय जांच अधिकारी ने 31 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके बाद चौथी वाहिनी के सेनानी के निर्देश पर वेतन शाखा प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक अरुण खलखो ने माना कैंप थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने 4 नवंबर 2026 को आरक्षक कमलेश कुमार साहू के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस बैंक खातों के लेन-देन, वेतन भुगतान से जुड़े दस्तावेजों और कथित रूप से निकाली गई राशि के इस्तेमाल की जांच कर रही है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 की कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक संपन्न

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 के अंतर्गत गठित कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग सहित राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित किए जा रहें सुधार प्रस्तावों, जोखिम-आधारित वर्गीकरण तथा ईओडीबी नियमों के चरणबद्ध क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की विस्तृत एवं गहन समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुसार उद्योगों एवं व्यवसायों को उनके संचालन के लिए भवनों के स्वरूप, ऊंचाई और निर्मित क्षेत्र के आधार पर कम जोखिम, स्व-प्रमाणीकरण और स्व-घोषणा के आधार पर तुरंत स्वीकृति व निरीक्षण से राहत, मध्यम जोखिम, थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन एवं अधिकृत विशेषज्ञों के प्रमाणीकरण के माध्यम से समयबद्ध मंजूरी के लिए नियमों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में उच्च जोखिम, निर्धारित सुरक्षा मानकों, अग्निशमन नियमों और जन-सुरक्षा के आधार पर विभागीय भौतिक निरीक्षण के पश्चात त्वरित स्वीकृति, विभागीय समीक्षा और सिंगल विंडो सिस्टम एकीकरण, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए गठित जिला सशक्त समिति, कार्यकारी परिषद और कार्यकारी समिति की प्रक्रियाओं को समयबद्ध सीमा के भीतर अधिसूचित कर दिया गया है।

बैठक में नगरीय प्रशासन, आवकारी, आवास एवं पर्यावरण, उद्योग, गृह-अग्निशमन, संस्कृति, जल संसाधन तथा लोक निर्माण विभाग के व्यावसायिक सेवाओं के जोखिम वर्गीकरण, लोक सेवा गारंटी समय-सीमा और सिंगल विंडो पोर्टल एकीकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग ईओडीबी नियमों के प्रारूप पर अपने अंतिम सुझाव त्वरित रूप से प्रेषित करें, जिससे निवेशकों को अनावश्यक प्रक्रियाओं से मुक्ति मिले और प्रदेश में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों को पारदर्शी, डिजिटल और सुगम वातावरण प्राप्त हो सके।

राहुल गांधी के आरोपों पर मुख्यमंत्री साय का पलटवार, बोले- जनता का विश्वास खो चुकी है कांग्रेस

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महाराष्ट्र मिल्क फेडरेशन चुनाव में राहुल गांधी की ओर से लगाए गए मिलावट के आरोपों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी कथनी और करनी के कारण राहुल गांधी देश की जनता का विश्वास खो चुके हैं। लगातार चुनावों में हार के चलते वे बौखलाहट में भ्रामक प्रचार कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

चक्रवात से हुए नुकसान का होगा सर्वे

जशपुर दौरे से रायपुर लौटने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में 'अनंब और 'मुरासु चक्रवात को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी जिलों के कलेक्टरों को प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का



आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। फसलों को हुए नुकसान के साथ क्षतिग्रस्त और पूरी तरह से ध्वस्त मकानों का भी सर्वे कराया जाएगा, ताकि प्रभावित लोगों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पटवारियों की हड़ताल पर घटक की दो टूक

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल और सरकार की सख्ती को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के हितों को लेकर संवेदनशील है। कर्मचारियों को काम पर लौटना चाहिए। वे अपनी मांगों को दूसरे माध्यमों से भी सरकार के सामने रख सकते हैं। कामकाज बंद रहने से आम जनता और प्रदेश दोनों का नुकसान होता है।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर भी साधा निशाना

मुख्यमंत्री साय ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लोगों को भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान चलाया जा रहा है, जिसका आयोजन कई जिलों में हो चुका है।

साय ने बताया कि इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस अभियान में शामिल हो चुके हैं। वहीं, आज रायपुर में आयोजित रैली में भी वे शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद महाराष्ट्र मिल्क फेडरेशन चुनाव को लेकर राहुल गांधी के आरोपों और छत्तीसगढ़ की राजनीति में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

बिजली ट्रांसफार्मर व केबल तार चोर गिरोह के 2 आरोपी गिरफ्तार

मामलों का खुलासा, 10 लाख का सामान जब्त

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा-निर्देशन में थाना उदयपुर पुलिस ने बिजली ट्रांसफार्मर और केबल तार चोरी करने वाले गिरोह के 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 6 मामलों का खुलासा हुआ है और पिकअप वाहन व नगदी समेत करीब 10 लाख रुपये का चोरी का सामान जब्त किया गया है। इनसे चोरी के सामान की बिक्री से प्राप्त 76,900 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, ट्रांसफार्मर तांबा कॉइल, केबल वायर, क्लेम्प, कनेक्टर, लोहे का एंगल, वायरिंग बॉक्स, स्टे रॉड, स्टे वायर, धीरी, लोहे की पट्टी व अन्य सामान बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। केबल चोरी के मामलों में थाना उदयपुर में 1, थाना लखनपुर में 2, थाना कमलेश्वरपुर में 3 अपराध दर्ज हैं।

जानकारी के मुताबिक, 04 नवम्बर को अलसुबह 3-4 बजे के बीच ग्राम गुडगांव थाना उदयपुर में बिजली गुल होने पर राजकुमार बाहर निकला तो देखा कि 2-3 लोग बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर रहे हैं। उसने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी, इसके बाद ग्रामीणों ने मौके पर एक आरोपी जसीम खान को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी भाग निकले। चोरी गए ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 35 हजार रुपये है। मामले में धारा 305(ई), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया।

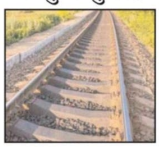
मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। थाना उदयपुर पुलिस ने मौके से पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की, जिसने अपना नाम जसीम खान पिता स्व. रशीद खान 28 वर्ष निवासी ग्राम हरिगवां थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज बताया। आरोपी ने अपने साथी मो. तशरीफ खान व अन्य के साथ मिलकर चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। फरार आरोपी की पतासाजी कर पुलिस ने मो. तशरीफ खान पिता मो. जलील खान 35 वर्ष निवासी हरिगवां थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4079 के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में भी कई अपराध पंजीबद्ध हैं। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर धारा 111 बीएनएस जोड़ी गई है और न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मामले में अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, प्रशिक्षु उप निरीक्षक भीखम लाल साहू, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक रवि सिंह, संजय नागेश, आरक्षक मनीष सिंह, अमन पुरी, अजय शर्मा, रविन्द्र, हेमंत एवं सैनिक नीरज सक्रिय रहे।





ट्रेन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत, जांच में जुटी पुलिस



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-अनूपपुर रेल मार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। मृतक की पहचान जेएमक्यू कॉलोनी बिश्रामपुर निवासी द्वारिका प्रसाद सोनी पिता पृथ्वीनाथ सोनी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह करीब सवा नौ बजे स्टेट बैंक बिश्रामपुर के पीछे रेलवे ट्रैक के किनारे एक वृद्ध का शव पड़ा होने की सूचना रेलकर्मी ने बिश्रामपुर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान के प्रयास शुरू किए। आसपास के लोगों ने शव की पहचान द्वारिका प्रसाद सोनी के रूप में की। बिश्रामपुर पुलिस के अनुसार मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में कोई स्पष्ट चोट नहीं पाई गई है। बताया जा रहा है कि उन्हें कम सुनाई देता था। आशंका जताई जा रही है कि रेलवे ट्रैक के किनारे चलते समय ट्रेन के झटके अथवा टक्कर से उनके सिर में चोट लगी होगी, जिससे वृद्ध की मौत हो गई है। घटना के समय उक्त रेलवे मार्ग से अंबिकापुर-दिल्ली ट्रेन के गुजरने का अनुमान है, हालांकि हादसा किस ट्रेन से हुआ, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिजली ट्रांसफार्मर व केबल तार चोर गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा-निर्देशन में थाना उदयपुर पुलिस ने बिजली ट्रांसफार्मर और केबल तार चोरी करने वाले गिरोह के 2 शातिर आरोपियों को गिर तार किया है।

आरोपियों से 6 मामलों का खुलासा हुआ है और पिकअप वाहन व नगदी समेत करीब 10 लाख रुपये का चोरी का सामान जब्त किया गया है। इनसे चोरी के सामान की बिक्री से प्राप्त 76,900 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, ट्रांसफार्मर तांबा कॉइल, केबल वायर, क्ले प, कनेक्टर, लोहे का एंगल, वायरिंग बॉक्स, स्टे रॉड, स्टे वायर, धीरी, लोहे की पट्टी व अन्य सामान बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। केबल चोरी के मामलों में थाना उदयपुर में 1, थाना लखनपुर में 2, थाना कमलेश्वरपुर में 3 अपराध दर्ज हैं।

जानकारी के मुताबिक, 04 नव बर को अलसुबह 3-4 बजे के बीच ग्राम गुडगांव थाना उदयपुर

6 मामलों का खुलासा, 10 लाख का सामान जब्त

में बिजली गुल होने पर राजकुमार बाहर निकला तो देखा कि 2-3 लोग बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर रहे हैं। उसने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी, इसके बाद ग्रामीणों ने मौके पर एक आरोपी जसीम खान को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी भाग निकले। चोरी गए ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 35 हजार रुपये है। मामले में धारा 305(ई), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी राजेश



अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। थाना उदयपुर पुलिस ने मौके से पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की, जिसने अपना नाम जसीम खान पिता स्व. रशीद खान 28 वर्ष निवासी ग्राम हरिगवां थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज बताया। आरोपी ने अपने साथी मो. तशरीफ खान व अन्य के साथ मिलकर चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। फरार आरोपी की पतासाजी कर पुलिस ने मो. तशरीफ खान पिता मो. जलील खान 35 वर्ष निवासी हरिगवां थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4079 के साथ गिर तार किया।

पुलिस के अनुसार गिर तार आरोपी शातिर किस्म के हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में भी कई अपराध पंजीबद्ध हैं। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर धारा 111 बीएनएस जोड़ी गई है और न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मामले में अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, प्रशिक्षु उप निरीक्षक भीखम लाल साहू, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक रवि सिंह, संजय नागेश, आरक्षक मनीष सिंह, अमन पुरी, अजय शर्मा, रविन्द्र, हेमंत एवं सैनिक नीरज सक्रिय रहे।

अस्पताल में दादी की देखभाल को लेकर परिवार में ही विवाद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर में बीमार दादी व नानी के पास कौन रुकेगा, इस बात पर दो पक्षों में मारपीट हो गई है। बिश्रामपुर पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि 4 नवंबर की शाम करीब 5 बजे सीएचसी बिश्रामपुर में घटी है। सोनिया मौर्य की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नर्स ने कहा कि अंदर सिर्फ एक व्यक्ति रह सकता है, बाकी बाहर चले जाएं। यहीं से विवाद शुरू हुआ। प्रार्थिया आरटीआई कालोनी निवासी पूजा मलिक ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि जब उन्होंने अपने पति पीयूष से कहा कि वे रुक जाएं, तो रागिनी मोगरे बोलीं कि वह रुकेंगी। इसके बाद रागिनी, उनकी मां ललिता और मनु मलिक तीनों एकजुट होकर पूजा और पीयूष को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। रागिनी ने मारपीट कर दिया है। पूजा के दाहिने हाथ और सिर में चोट आई, पीयूष के चेहरे और सिर में चोटें आई है। वहीं दूसरी ओर प्रार्थिया माइनस कालोनी निवासी रागिनी मोगरे ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वही दादी के पास रुकने जा रही थीं। पीयूष मलिक ने उन्हें मां-बहन की गंदी गालियां दीं, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा चप्पल से मारपीट की। साथ ही उनकी मां को भी गाली देकर धक्का दिया। रागिनी के गले के पास छाती और सिर में चोटें आईं।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने का आरोप लगाया है। परिवार के सदस्यों के बीच बीमार बुजुर्ग महिला की देखभाल को लेकर छोटी-सी बात इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्ष पुलिस थाने पहुंच गए। बिश्रामपुर पुलिस ने दोनों शिकायतों पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पोल्ट्री फार्म से मुर्गा चोरी, ग्रामीण ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा

भैयाथान। छ.ग. फ्रंटलाइन। सूरजपुर जिले के थाना झिलमिली के चेन्दा चौकी अंतर्गत ग्राम पकनी ठाकुरपारा में बीती रात पोल्ट्री फार्म से मुर्गा चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा और फार्म के संचालक को इसकी सूचना दी। बाद में आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, अमित तिर्की ग्राम पकनी ठाकुरपारा में पोल्ट्री फार्म का व्यवसाय है। उसका फार्म घर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। 2 नवंबर की शाम 6 बजे वह फार्म बंद करके घर चला गया था। 3 नवंबर की रात करीब 3 बजे गांव के ही राहुल ठाकुर ने फोन पर बताया कि गांव का मोहर साय प्रजापति उसके पोल्ट्री फार्म का जाली तोड़कर मुर्गा चोरी करके ले जा रहा था, जिसे उन्होंने पकड़कर रखा है। सूचना पर पीड़ित तुरंत पोल्ट्री फार्म पहुंचा तो जाली टूटी मिली और 800 रुपये का 2 मुर्गा गायब था।

राहुल ठाकुर ने आरोपी मोहर साय प्रजापति को 2 मरे हुए मुर्गों के साथ पकड़कर रखा था। इन्होंने आरोपी को बरामद मुर्गों के साथ पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने किया कृषि महाविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलफिली के कृषि संकाय के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य से माता राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र अंजिरमा ले जाया गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा, आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत खेती के तरीकों एवं कृषि से संबंधित व्यावहारिक जानकारियों से अवगत कराना था। विद्यार्थियों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की



जानकारी प्राप्त की। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है तथा कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। शैक्षणिक भ्रमण विद्यालय के व्यावसायिक कृषि शिक्षक देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं सहायक शिक्षिका आकांक्षा गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र अंजिरमा में डॉ. एसपी गुप्ता, डॉ. पैकरा एवं अन्य वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को कृषि की नवीन तकनीकों एवं वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी प्रदान की गई।

विद्युतकर्मी पर रॉड से हमला करके जान से मारने की दी धमकी

रामानुजनगर। छ.ग. फ्रंटलाइन। थाना क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर में ड्यूटी से लौट रहे विद्युत विभाग के कर्मचारी पर रास्ता रोककर रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक, ज्ञान प्रकाश साहू (33) पिता राम कृपाल साहू ग्राम नारायणपुर का रहने वाला है, और नगर पंचायत पटना जिला कोरिया में विद्युत विभाग में लाइन परिचायक के पद पर पदस्थ है। 3 नवंबर की शाम को 5.30 बजे रोज की तरह वह ड्यूटी खत्म करके मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। यादवपारा में सड़क खराब होने के कारण वह धीरे चल रहा था। तभी मनोज यादव के घर के पास विकास यादव उर्फ विक्की पिता मनोज यादव ने दौड़कर उसका रास्ता रोक लिया और पुरानी रंजिश को लेकर गाली देने लगा। आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए लोहे के रॉड से सिर पर हमला किया, जो बचाव में दाहिने हाथ की कोहनी पर लगा और चमड़ी फट गई। इसके बाद आरोपी उसे कुछ दूर तक दौड़ाया और धमकाया कि अगली बार इस रास्ते से आने पर फरसा से काट देगा। किसी तरह भागकर पीड़ित ने घर पहुंचकर स्वजन को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296, 351(3), 115(2), 126(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

पोड़ी में एसईसीएल ने चलाया सतर्कता जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा आरजीके उपक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी में निवारक सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह एवं आरजीके उपक्षेत्र के उपक्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों, पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक आकर्षण का केंद्र रहा। इसके माध्यम से भ्रष्टाचार की रोकथाम, सार्वजनिक कार्यों में पारदर्शिता और नागरिकों की जिम्मेदारियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक में मुख्य सतर्कता अधिकारी की भूमिका एवं सतर्कता विभाग के दायित्वों को भी दर्शाया गया। साथ ही संदेश दिया गया कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण केवल किसी विभाग की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर केतकी भूमिगत खदान के खान प्रबंधक विनम्र जैन, गायत्री भूमिगत



खदान के खान प्रबंधक जेडी सिंह, रेहर भूमिगत खदान के खान प्रबंधक कृष्ण कुमार, क्षेत्रीय नोडल अधिकारी आशीष बेजल, जयशंकर यादव, सतीश वर्मा एवं अजय साहू सहित श्रेयांश दुबे और नीतीश कुमार सिंह के अलावा पोड़ी सरपंच खिलानंद सिंह, जोबगा सरपंच हितेंद्र सिंह एवं उपसरपंच सोनकुंवारी सहित जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। साथ ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय पोड़ी के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भी आयोजन में भाग लिया। विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में बताया गया। वहीं ग्रामीणों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने तथा सार्वजनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने सतर्कता जागरूकता को कार्यालयों और कार्यस्थलों से आगे बढ़ाकर ग्रामीण एवं शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचाने की पहल की। समापन अवसर पर ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता के मूल्यों को अपनाकर भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

बहन से मिलने जा रहे युवक की बाइक सीढ़ी से टकराई, मौत

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। दो सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, एक घायल हो गया। पहली घटना शहर के महुआपारा में बुधवार की रात हुई। मृतक अपनी बड़ी बहन से मिलने अंबिकापुर आया था, और बहन के घर से महज 50 मीटर पहले उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर की सीढ़ी से टकरा गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जानकारी के मुताबिक, मृतक प्रतीक टोप्पो पिता स्व. विजय टोप्पो 21 साल, डिपार्टमेंटल कॉलोनी खोली नंबर 458, विश्रामपुर, जिला सूरजपुर का रहने वाला था, और तीन बहनों के बीच इकलौता छोटा भाई था। उसकी एक बहन सोनाली फिलिप की शादी अंबिकापुर के महुआपारा में हुआ है। मृतक की बड़ी बहन शिल्पा टोप्पो ने बताया कि 4 नवंबर की शाम करीब 7 बजे छोटा भाई प्रतीक महुआपारा में दीदी सोनाली से मिलने जा रहा हूं, कहकर मोटरसाइकिल से विश्रामपुर से निकला था।

बहन के घर से 50 मीटर पहले हुआ हादसा

रात करीब 12.05 बजे महुआपारा में रहने वाली बहन सोनाली फिलिप ने फोन करके बताया कि प्रतीक का एक्सीडेंट उसके घर पहुंचने से पहले ही रोड पर हो गया है। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य रात में ही अंबिकापुर पहुंचे तो पता चला कि उसे होलीक्रॉस अस्पताल ले गए हैं। यहां आने पर प्रतीक के मौत की खबर मिली। उसका शव इमरजेंसी वार्ड में रखा था।

शोर सुनकर बाहर निकली बहन तो उड़ गए होश

बहन सोनाली फिलिप ने बताया कि रात में मोहल्ले में शोर सुनकर वह घर से बाहर निकली और भाई को पर गई तो प्रतीक मोटरसाइकिल से गिरा पड़ा था। उसके सिर, हाथ-पैर में गंभीर चोट लगी थी और खून निकल रहा था। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि वह खुद ही मोटरसाइकिल चलाते हुए अनियंत्रित हो गया और रोड किनारे बने घर की सीढ़ी में जा टकराया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर ली है।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

सूरजपुर जिले में बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के जयनगर थाना अंतर्गत कोइरापारा लटोरी निवासी शीतला प्रसाद कुशवाहा पिता गणेश प्रसाद कुशवाहा 40 वर्ष, कोयला खदान में गार्ड का काम करता था। 4 नव बर को दोपहर करीब एक बजे वह घर से मोटरसायकल में ड्यूटी जाने के लिए निकला था। अपरान्ह 3 बजे वह फोन करके अपने बड़े भाई मनोज कुमार कुशवाहा को बताया कि, सूरजपुर के ग्राम परसापारा में सामने से आ रहे बाइक सवारों ने टक्कर मार दिया है, जिसमें उसका साथी भी घायल हो गया है। घायलों को सूरजपुर जिला अस्पताल लाया गया, यहां से मरहम पट्टी के बाद चिकित्सक ने गंभीर स्थिति देखते हुए घायल को रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर संबद्ध जिला अस्पताल में इलाज के दौरान 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सरगुजा ने जांजगीर-चांपा को 227 रनों से हराकर फाइनल में बनाई जगह

गगन और चिराग के शानदार शतकों से बना विशाल स्कोर, गेंदबाजों ने भी बरपाया कहर

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-14 प्लेट ग्रुप वनडे इंटर-डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट 2026-27 के सेमीफाइनल मुकाबले में सरगुजा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जांजगीर-चांपा को 227 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सरगुजा ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 300 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सरगुजा की ओर से गगन बोस ने 119 गेंदों में 114 रन और चिराग राजवाड़े ने 111 गेंदों में 110 रन की शतकीय पारी खेली। दोनों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हर्षवर्धन एस. चंदेल ने 34 गेंदों में 37 रन तथा



स्वस्तिक केशरी ने 29 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया। 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जांजगीर-चांपा की टीम सरगुजा के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 25 ओवर में 73 रन पर ऑलआउट हो गई। सरगुजा की ओर से नीलोत्पल प्रथिभ ने 8 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट, सुन्नी ओझा ने 8 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट तथा स्वस्तिक केशरी और प्रिंस कुशवाहा ने 1-1 विकेट हासिल किए। दिव्यांश ने एक बल्लेबाज को रन आउट किया।

संघ के अध्यक्ष ने बढ़ाया हौसला

सरगुजा जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंह देव ने टीम की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंडर-14 खिलाड़ियों ने अपने खेल, अनुशासन और सामूहिक प्रयास से जिले का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने दोनों शतकवीर बल्लेबाजों सहित पूरी टीम की सराहना करते हुए फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं। संघ के कोषाध्यक्ष शैलू सिंह ने कहा कि यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और बेहतर तैयारी का परिणाम है। सेमीफाइनल में जिस आत्मविश्वास और एकजुटता के साथ खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया है, उससे फाइनल में भी अच्छे परिणाम की उ मीद है।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा के विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग, सामुदायिक भवन परिसर, बाबूपारा में 5 नवंबर को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने की। समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के प्रभारी डॉ. रामाशीष तिवारी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के अधिकारी, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. लाकपाले ने दीपावली के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए आपसी प्रेम, सद्भाव, सहयोग एवं एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि, ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के साथ जुड़ने तथा पारिवारिक एवं आत्मीय वातावरण विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं।



समारोह में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा आपसी सौहार्द और उल्लास के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. नीरज, सामुदायिक भवन प्रभारी अधिकारी डॉ. रामाशीष तिवारी, हिंदी विभाग की डॉ. प्रिया राय, अधिकारी, अतिथि व्या याता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. हर्षदीप सिंह धन्जल ने किया। समारोह का समापन दीपावली की शुभकामनाओं एवं आपसी सद्भाव की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।


SINCE-2005
सोना महल®
विश्वास परंपरा का...
Most Popular Showroom of Jharkhand 2024
HALLMARK
इस फेस्टिव मनाएं स्वर्णोत्सव
सोना-चांदी, हीरे-पोल्की और खुशियों का जश्न
सबसे कम मेकिंग चार्ज, हर गहना आपके बजट में!
FLAT
8.50%
MAKING CHARGES ON HALLMARK
GOLD JEWELLERY
On Diamond Purchase of
₹ 50,000 or Above
Silver Coin FREE
SONA MAHAL PROMISES
सोने की शुद्धता हेतु कैरेटमीटर द्वारा मुफ्त जांच
संपूर्ण पारदर्शिता
आजीवन फ्री मेंटेनेंस
शुद्ध गोल्ड एक्सचेंज पर
बायबैक की गारंटी
BIS 916 हॉलमार्क वाला शुद्ध सोना
जांचे-परखे हुए प्रमाणित हीरे
FREE JEWELLERY INSURANCE
DALTONGANJ
Pandey Complex, Thana Road 9905230566
Star City Mall, Panch Muhan Chowk 9263648339
LATEHAR
1st Floor, Star City Mall
Barwadih 8757487892
AMBIKAPUR
Sadar Road, Mahamaya Chowk
Ambikapur 9771939632

सम्पादकीय

अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन का हक नहीं

लोकतंत्र में असहमति और प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर दूसरों के अधिकारों को कुचलने की छूट भी नहीं दी जा सकती। सार्वजनिक स्थानों पर अनिश्चितकाल तक कब्जा जमाकर बैठ जाना और आम लोगों की जिंदगी को बाधित करना किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी इसी संतुलन की जरूरत को रेखांकित करती है। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हुए प्रदर्शन से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन को किसी सार्वजनिक स्थल पर अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन करने का हक नहीं है। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थानों पर भी समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का अवसर मिल सके। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार किसी एक संगठन की स्थायी संपत्ति नहीं हो सकता। दरअसल, सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक चलने वाले धरने-प्रदर्शनों का असर केवल यातायात तक सीमित नहीं रहता। इससे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, दिहाड़ी मजदूरों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और मरीजों तक को परेशानी उठानी पड़ती है। दिल्ली के व्यापारिक संगठनों ने अदालत में दावा किया कि लोहारों के सीजन में प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों को करीब दो हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। किसी के विरोध के अधिकार की कीमत दूसरे नागरिकों को अपनी रोजी-रोटी गंवाकर नहीं चुकानी चाहिए। हालांकि, पूरे मामले का दूसरा पहलू भी उतना ही अहम है। प्रदर्शनकारियों की पुलिस कार्रवाई, हिरासत और निगरानी के नाम पर मनमानी का सामना नहीं करना चाहिए। सुनवाई के दौरान करीब सात हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने और प्रदर्शनकारियों की निगरानी के कानूनी आधार पर सवाल उठाए गए। सरकार और पुलिस को यह स्पष्ट करना होगा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई किस कानून और किन परिस्थितियों में की गई। यही कारण है कि प्रदर्शन के अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए पर्याप्त और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध करवाएं। इन स्थानों का निर्धारण पारदर्शी नियमों के आधार पर हो और सभी संगठनों को समान अवसर मिले। दूसरी ओर, पुलिस को भी कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करनी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक या अवैध गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना जरूरी है। प्रदर्शन आयोजित करने वाले संगठनों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ सामाजिक दायित्व भी जुड़े हैं। यदि किसी आंदोलन के कारण सड़कें बंद होती हैं, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है या कारोबार ठप पड़ता है तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कई बार लंबे समय तक चलने वाले धरने इस बात का संकेत होते हैं कि संबंधित पक्षों की शिकायतों का समाधान नहीं हो पा रहा। प्रशासन को समय रहते बातचीत करनी चाहिए, ताकि असंतोष टकराव में न बदले। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का व्यापक संदेश यही है कि लोकतंत्र में अधिकार एकतरफा नहीं हो सकते। किसी एक वर्ग की आवाज को बुलंद करने के लिए दूसरे वर्ग की आवाजाही और आजीविका बाधित करना लोकतांत्रिक भावना के अनुकूल नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि असहमति को जगह मिले और आम जनजीवन भी निर्बाध चलता रहे।



सियासत

प्रो.(डॉ) मनोज दयाल

किसी ने बनाई पार्टी, किसी ने बदला दल

> लोकतंत्र में सबको चुनाव लड़ने का अधिकार है। आजकल चुनाव लड़ने से ज्यादा चुनावी दुकान खोलने का चलन बढ़ गया है। "माननीय" बनने की ऐसी होड़ लगी है कि जिसके पास चार लोगों का समर्थन नहीं, वह भी चार पहियों वाली गाड़ी पर अपना झंडा लगाकर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन बैठा है। किसी ने पार्टी बनाई तो किसी ने दल बदल लिया। नाम चाहे कुछ भी हो..! मकसद एक ही है - किसी तरह विधायक-सांसद की नेम प्लेट लग जाए। उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक का राजनीतिक मौसम देखिए। जैसे ही चुनाव की आहट सुनाई देती है, वैसे ही कुछ रिटायर्ड अफसरों, पूर्व न्यायाधीशों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और हताश नेताओं के भीतर सोया हुआ 'जननायक' जाग जाता है।

राजनीति का नया शॉर्टकट..! माननीय बनने की होड़..! कोई अपनी पार्टी बना रहा है तो कोई दल बदल रहा है। यह हरकतें चुनावी आहट के साथ तेज हो रही हैं। सियासी हसरतें पूरी करने का चलन इस कंपनन से झनझना उठा है। लोकतंत्र में सबको चुनाव लड़ने का अधिकार है। आजकल चुनाव लड़ने से ज्यादा चुनावी दुकान खोलने का चलन बढ़ गया है। "माननीय" बनने की ऐसी होड़ लगी है कि जिसके पास चार लोगों का समर्थन नहीं, वह भी चार पहियों वाली गाड़ी पर अपना झंडा लगाकर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन बैठा है। किसी ने पार्टी बनाई तो किसी ने दल बदल लिया। नाम चाहे कुछ भी हो..!

मकसद एक ही है - किसी तरह विधायक-सांसद की नेम प्लेट लग जाए। उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक का राजनीतिक मौसम देखिए। जैसे ही चुनाव की आहट सुनाई देती है, वैसे ही कुछ रिटायर्ड अफसरों, पूर्व न्यायाधीशों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और हताश नेताओं के भीतर सोया हुआ 'जननायक' जाग जाता है। ये सोचते हैं, किसी पार्टी में जाकर टिकट मांगने से अच्छा है, अपनी ही पार्टी क्यों न बना ली जाए। टिकट मांगने का झंझट खत्म..! खुद ही टिकट बांटो, खुद ही अध्यक्ष बनो..! यह हसरतें पूरी करने का जो नया चलन है, वह चुनावी कैलेंडर के साथ और तेज हो गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं। पर उत्तर प्रदेश में अभी से सैकड़ों नई पार्टियों ने निर्वाचन आयोग के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कोई लखनऊ में प्रेस क्लब में पार्टी लांच कर रहा है तो कोई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में अपना घोषणा पत्र पढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर पार्टी का लोगो, झंडा और एक जोशीला नारा- बस, बन गए राष्ट्रीय अध्यक्ष! रिटायर्ड अफसरों की राजनीति..! पेंशन के बाद पद की तलाश..! इस दौड़ में सबसे आगे हमारे सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी हैं। जीवन भर फाइलों पर 'स्वीकृत' और 'अस्वीकृत' लिखने वाले ये अधिकारी रिटायरमेंट के बाद अचानक व्यवस्था को बदलने का सपना देखने लगते हैं। इस कड़ी में सबसे चर्चित नाम है विजय शंकर पांडे का। उत्तर प्रदेश कैडर के इस पूर्व आईएएस अधिकारी ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने के लिए ख्याति अर्जित की थी। कहा जाता है कि उन्होंने प्रदेश के कई महाभ्रष्ट अधिकारियों को चिन्हित करने का बीड़ा उठाया था। उनकी छवि एक निर्भीक अधिकारी की थी। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने सोचा कि व्यवस्था को फाइल से नहीं, मैदान से बदला जा सकता है। और फिर बना डाली अपनी पार्टी - लोक गठबंधन पार्टी। उनका तर्क है कि ईमानदार राजनीति ही भ्रष्टाचार का जवाब है। पर सवाल यह भी है कि क्या पार्टी बनाते ही जनता उनके पीछे चल देगी? इसी तरह एक और पूर्व आईएएस अधिकारी चंद्रपाल हैं। प्रशासन में लंबे अनुभव के बाद उन्होंने 'आदर्श समाज पार्टी' का गठन किया। उनका नारा है- समाज में आदर्श और समता स्थापित करना। वे दलित, पिछड़े और वंचित वर्ग की आवाज बनने का दावा करते हैं। प्रशासन में रहते हुए उन्होंने सिस्टम को अंदर से देखा। अब बाहर से उसे सुधारने निकले हैं। अब इस फेहरिस्त में नया नाम जुड़ा है -आईएएस दिव्या मित्तल का। अभी हाल ही में उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान किया है। एक युवा, तेजतर्रार महिला अधिकारी के रूप में उनकी



पहचान रही है। उनका राजनीति में आना कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक है तो कई लोगों के लिए यह संकेत है कि ब्यूरोक्रेसी में अब प्रतिभा घुटन महसूस कर रही है और उसे राजनीति में ऑक्सीजन तलाश रही है। क्या यह महज संयोग है कि ये सभी चुनाव से ठीक पहले सक्रिय होते हैं? नहीं, यह रणनीति है। चुनाव यह मौसम है, जब मीडिया को नए चेहरे चाहिए, जनता को नए विकल्प की तलाश होती है और ऐसे में अपनी दुकान सजाना सबसे आसान होता है। दलित राजनीति से राष्ट्रीय गतिविधि तक का प्रयोग..! यह केवल आईएएस अधिकारियों तक सीमित नहीं है। इस ट्रेंड के पुराने खिलाड़ी भी हैं। उदित राज इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। भारतीय राजस्व सेवा से लेकर राजनीति तक उनका लंबा सफर रहा है। उन्होंने सबसे पहले 'इंडियन जस्टिस पार्टी बनाई थी। दलितों को न्याय दिलाने के नाम पर बनी यह पार्टी बाद में कांग्रेस, फिर भाजपा में विलीन होती-निकलती रही। उदित राज ने दिखाया कि पार्टी बनाना एक तरह से अपनी राजनीतिक कीमत बढ़ाने का तरीका भी है। आपकी अपनी पार्टी है, तो बड़ी पार्टियां आपको गठबंधन में लेने के लिए मजबूर होंगी। यही फॉर्मूला अब हर कोई अपना रहा है। जिसके पास 5 हजार वोट भी नहीं हैं, वह भी कहता है- हम 20 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और किंगमेकर बनेंगे। हकीकत यह है कि वे किंगमेकर नहीं, अपने ही घर के मेकर भी नहीं बन पाते। इन दुकानों के बनने के तीन बड़े कारण हैं। पहला - टिकट का अभाव और व्यक्तिवाद का उभार। बड़ी पार्टियों में टिकट के लिए लंबी लाइन है। वहां जाति, पैसा और परिवारवाद हावी है। ऐसे में एक रिटायर्ड अफसर या सामाजिक कार्यकर्ता को लगता है कि वहां उसकी पूछ नहीं होगी। इसलिए वह अपनी पार्टी बनाकर खुद को 'हाईकमान' घोषित कर देता है। दूसरा - चुनाव एक उद्योग बन गया है। पार्टी बनाइए। चंदा लीजिए। थोड़ा प्रचार कीजिए और अगर एक-दो सीटों पर 10-15 हजार वोट काट दिए, तो बड़ी पार्टियों से सौदेबाजी का रास्ता खुल जाता है। कई पार्टियां तो इसी वोट-कटवा की भूमिका के लिए ही बनाई जाती हैं। तीसरा - सोशल मीडिया का भ्रम। फेसबुक पर 10 हजार फॉलोअर और यूट्यूब पर 2 लाख व्यूज देखकर लोगों को लगता है कि यह एक विकल्प बन रहा है। यह वर्चुअल लोकप्रियता उन्हें जमीन पर भी नेता होने का भ्रम दे देती है। वे भूल जाते हैं कि लाइक वोट में नहीं बदलता। सवाल यह है कि क्या यह लोकतंत्र के लिए खतरा है? जवाब है- नहीं, पर चेतावनी जरूर है। भारतीय निर्वाचन आयोग के पास 2800 से ज्यादा पंजीकृत दल हैं, पर 90% दल ऐसे हैं जिन्होंने कभी एक भी चुनाव नहीं लड़ा। ये सिर्फ कागजों पर हैं। बैलेट पेपर पर एक ही नाम से मिलते-जुलते 4-5 निर्दलीय और छोटी पार्टियों के चुनाव चिन्ह देखकर वोटर कन्फ्यूज हो जाता है। और यही इनका असली खेल है - वोट काटो, चुनाव प्रभावित करो। दूसरी तरफ, यह लोकतंत्र की जीवंतता भी है। अगर कोई विजय शंकर पांडे या चंद्रपाल या दिव्या मित्तल ईमानदारी से कोई विकल्प देना चाहते हैं, तो उनका स्वागत होना चाहिए। समस्या तब है, जब पार्टी का मकसद सिर्फ 'माननीय' बनने की हसरत पूरी करना हो, जनता की सेवा नहीं। पार्टी बनाना आसान है। पर पार्टी को विचार देना, कैडर बनाना और जनता का विश्वास जीतना सबसे कठिन तपस्या है। वह तपस्या न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस से होती है। न ही लखनऊ-दिल्ली के होटलों में पार्टी लांच करने से। लोकतंत्र में दुकानें बहुत खुल गई हैं। पर ग्राहक वही जनता बहुत समझदार हो गई है। वह जानती है कि कौन सेवा के लिए आया है, तो कौन मेवा के लिए और सिर्फ अपनी नेम प्लेट के लिए दलबदल कर बैठा है। चुनाव आएगा तो जनता इन दुकानों का शटर खुद ही गिरा देगी।

(लेखक कुलदीप ठाकरे शिवि. रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आध्यात्मिक

विवेक मिश्रा



33 लाख दीप प्रज्ज्वलन का नया रिकॉर्ड बनाने का प्रयास

भारत की आध्यात्मिक धारा प्रकट से अप्रकट की ओर प्रवाहित है, इसी अंतःकरण के दीपपर्व का बाह्य मूर्त चित्रण दीपावली है। अपने परम आराध्य के प्रत्यक्ष सान्निध्य की अभिलाषा में रत एक नगर का रोम-रोम आह्लादित हो उठता है। अयोध्या से आशय उस भूमि से है, जिस पर युद्ध द्वारा विजय नहीं प्राप्त की जा सकती है, युद्ध अर्थात द्वंद्व से निर्मित संघर्ष। जिस धरा या स्थान पर युद्धकारक द्वंद्व का अंत होता हो, वहां स्वतः ही राम अर्थात रमणीय आनंद का निवास होता है। योगीजन भी इसी रममयी ब्रह्म तत्व में सदैव लीन मिलते हैं। भारतीय सनातन संस्कृति का यह पौराणिक दर्शन, आज हमारे समक्ष अयोध्या के भव्य व दिव्य दीपोत्सव के रूप में साकार होता है। दीपावली के शुभयोग पर आगामी 7 नवंबर 2026 को सरयू जी के 56 घाटों पर एकसाथ 33 लाख दीप प्रज्ज्वलित कर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने का प्रयास होगा। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में भी 1 लाख 11 हजार दियों का प्रज्ज्वलन होगा। ज्ञात हो विगत वर्ष 2025 में 26 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया है। गिनीज रिकॉर्ड स्थापित करने हेतु, सटीक मापदंडों की पालना करनी होती है। निगरानी रखने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की एक आधिकारिक टीम मौके पर मौजूद रहती है। दीयों को व्यवस्थित रूप से दीप्त करने के लिए अवध विश्वविद्यालय समेत अन्य कॉलेजों के 35000 वालंटियर को नियुक्त किया गया है। आयोजनों में 45 मिनट लंबा ड्रोन और लेजर शो भी रहेगा, जिसमें रामायण के प्रसंगों का सजीव चित्रण होगा। इस वर्ष 10 वे दीपोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल होंगे, जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई अन्य कैबिनेट मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। 2027 के विधानसभा चुनावों से पूर्व इस बार का सांस्कृतिक कार्यक्रम, राजनीतिक पक्षों के चुनावी समीकरणों से भी जुड़ेगा। पिछले दिनों अयोध्या में सपा प्रमुख अखिलेश यादव का दौरा हुआ और वे श्री राम जन्मभूमि मंदिर दर्शन करने नहीं पहुंचे। सामुदायिक वोट बैंक को साधने की कोशिशों का यह एक सुनियोजित क्रम रहा है। विपक्षी दल, ऐसे आयोजनों में सरकारी धन की फिजूलखर्ची और सरकार की ब्रांडिंग पर आरोप लगाते हैं। बीते दिनों प्रधानमंत्री के जन्मदिन और सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने पर, आयोजित 'आशीर्वाद का दिया' नामक कार्यक्रम की तीखी आलोचना विपक्षीय दलों व चिंतकों ने की थी। मुख्य विरोध उत्तर प्रदेश और बिहार से ही शुरू हुआ था। बाद के बीच जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने उत्सव मनाने के आधिकारिक निर्देश जारी किए , जिन्हें बाद में वापस लिया गया। प्रथम दृष्टया, यह प्रश्न उचित प्रतीत होता है। इस स्तर के बड़े आयोजनों में जहां 33 लाख मिट्टी के दिये, 65 लाख बातियां, लगभग 55 हजार लीटर सरसों का तेल और 150 किलो कपूर का इस्तेमाल होने वाला है। इन व्यवस्थाओं में होने वाले खर्चों का योग कितने अंकों तक पहुंचता है? इसका अनुमान ही हम लगा सकते हैं। परन्तु एक दूसरा व्यावसायिक पक्ष यह भी है कि इस एकमुश्त मांग की आपूर्ति में कई छोटे-बड़े व्यापारी, व्यवसायी या श्रमिक वर्ग लगे होते हैं। इन बड़े आयोजनों के माध्यम से, वह पर्याप्त लाभ व रोजगार पाते हैं। पर्यटन, विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप के माध्यम से राजकीय कोष को भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लाभ पहुंचता है। वालंटियर के रूप में महाविद्यालयों के छात्रों का सहयोग,उन्हें संस्कृति से जुड़ने और परस्पर समन्वय के अवसर प्रदान करता है। भव्य आयोजनों से प्रतिष्ठित होती, नगर विशेष की अंतर्राष्ट्रीय छवि संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रगति के पथ को प्रशस्त करती है। अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखे जाने की अनिवार्यता को भी समझना चाहिए। मिट्टी के दीपक, बातियां, घी और सरसों का तेल पूर्णतः बायो डिग्रेडेबल हैं, अर्थात यह सभी सरलता से विघटित हो पुनः मिट्टी अथवा कार्बन स्वरूप में मिल जाते हैं। सरसों के तेल में 'एलील थियोआइसोसायनेट' नामक सक्रिय यौगिक होता है,जो तीखी गंध देता है। भारत भूमि के सबसे उन्नत आदर्श मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में प्रत्येक वर्ष नव-नवीन कीर्तिमान स्थापित करता, भव्य-दिव्य दीपोत्सव का आयोजन, सहज सर्वमान्य होना चाहिए। प्रभु राम तो स्वयं रुपवंश अर्थात जोड़ने वाले और ' उत्सव' अर्थात ऊपर उठते श्रेष्ठतम यज्ञ,उत्पत्ति और आनंद के स्वरूप हैं। यह तो हमारा दृष्टिकोण है कि, हम प्रभु मूर्त को किस दृष्टि से देख पाते हैं ।जैसा कि, श्री राम चरित्र मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते हैं:- 'जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरति देखी तिन्ह तैसी॥

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चरित्र गठन की व्यायामशाला है संसार



संसार न तो अच्छा है, ना बुरा। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए अपना-अपना संसार बना लेता है। हमारी मानसिक अवस्था के अनुसार ही हमें यह संसार भला या बुरा प्रतीत होता है। अधिक नम्बर में अच्छी है न बुरी। जब यह हमें नर्म रखती है, तो हम कहते हैं यह कितनी अच्छी है, जब हमारी अंगुली जल जाती है, तो हम इसे दोष देते हैं। यही हाल संसार का है।

संकलित

दर्शन

मूर्ख साधू और ठग



किसी गांव के मंदिर में देव शर्मा नाम का एक प्रतिष्ठित साधू रहता था। उसे अपने भक्तों से दान में तरह- तरह के वस्त्र, उपहार, खाद्य सामग्री और पैसे मिलते थे। उन वस्त्रों को बेचकर साधू ने काफ़ी धन जमा कर लिया था। वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उसे हमेशा अपने साथ लेकर ही चलता था। उसी गाँव में एक



संसार स्वयं पूर्ण है। पूर्ण का अर्थ यह है कि इसमें अपने लिये प्रयोजन पूर्ण करने की क्षमता है। हमें जान लेना चाहिए कि हमारे बिना भी यह संसार बड़े मजे से चलता जाएगा। हमें उसकी सहायता करने के लिए मायावती करने की आवश्यकता नहीं। परंतु फिर भी हमें उसके परोपकार करते ही रहना चाहिए। यदि हम उसकी यह सहायता कर दूसरों की सहायता करना एक सौभाग्य है, तो परोपकार करने की इच्छा एक स्वाभिक प्रेरणा लक्षित है। एक बात तो ऊंचे आकाश पर खड़े होकर अपने हाथ में दो पैसे लेकर यह मत कहो, ऐ भिखारी, ले मैं तुझे यह देता हूं। तुम स्वयं इस बात के लिए कृपया होओ कि इस संसार में तुम्हें अपनी दयालुता का प्रयोग करने और इस प्रकार पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हुआ। छाया पाने वाला वहीं देने वाला होता है। भलाई के जितने काम हमें सूझ और पूर्ण बनाने में सहायता करते हैं। यह ऊंचाई न तो तुम्हारी सहायता का सूचक है और न मेरी। परंतु फिर भी हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए, परोपकार करने रहना चाहिए। क्योंकि इसमें हमारा ही भला है। यही एक साधन है, जिससे हम पूर्ण बन सकते हैं। यदि हमने किसी गरीब को कुछ दिया, तो वास्तव में हम पर उसका आभार है, क्योंकि उसने हमें इस बात का अवसर दिया कि हम अपनी दया की भावना उस पर काम में ला सकें।

संकलित

प्रेरणा

ठग रहता था। ठग हमेशा साधू का पीछा किया करता था, लेकिन साधू उसे गठरी को कभी अपने से अलग नहीं होने देता। उसने साधू से मित्रता की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। साधू तैयार हो गया और इस तरह से वह ठग साधू के साथ ही मंदिर में रहने लगा। ठग मंदिर की खूब सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य भी करता था। एक दिन साधू को पास के गांव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया, साधू ने वह आमंत्रण स्वीकार किया और निश्चित दिन साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में एक नदी पड़ी और साधू से स्नान करने की इच्छा व्यक्त की। उसने पैसों की गठरी को एक कम्बल के भीतर रखा और उसे नदी के किनारे रख दिया। उसने ठग से सामान की रखवाली करने को कहा और खुद नहाने चला गया। ठग को तो जैसे ही इसी पल का इंतजार था। जैसे ही साधू नदी में डुबकी लगाने गया, वह रुपयों की गठरी लेकर रफ्फूचक्कर हो गया। शिक्षा: किसी अजनबी की चिकनी चुपड़ी बातों में आकर ही उस पर विश्वास नहीं कर लेना चाहिए।

अंतर्मन



आज की पाती

अपराध की काली कमाई सफेद करने का धंधा

मनी लॉन्ड्रिंग अर्थात धनशोधन आज केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और अवैध व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय आधार बन चुका है। सामान्य शब्दों में कहें तो मनी लॉन्ड्रिंग वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अपराध से अर्जित धन के वास्तविक स्रोत को छिपाकर उसे वैध अथवा कानूनी रूप से अर्जित धन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। अपराधी जानते हैं कि केवल अवैध तरीके से धन कमाना पर्याप्त नहीं है। उस धन को ऐसी व्यवस्था में शामिल करना भी आवश्यक है जिससे उसकी वास्तविक उत्पत्ति का पता लगाना कठिन हो जाए।

- राजेश शर्मा, हिसार

ट्रेंड

पिंक लाइन

पुणे मेट्रो की नई 'पिंक लाइन' इतनी खास क्यों है? वह 23 किमी लंबी लाइन हिंजवडी के आईटी हब को शिवाजीनगर से जोड़ती है। इसका संचालन महिलाएं करेंगी। इससे पुणे में जीवन सुगमता को कार्यों बढ़ावा मिलेगा! -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



सेहत के साथ खिलवाड़ नहीं

तुर्कमान गेट पर 7,000 किलो मिलावटी खोया जब्त किया गया। त्योहारों सीजन के दौरान और पूरे साल दिल्ली भर में छापेमारी तेज की जाएगी। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। किसी को भी लापरवाही के लिए लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली



बीजेपी खुद अराजक

बीजेपी तो खुद ही अराजकता है! बीजेपी के राज में कोई आदमी नहीं फलफूल जाएगा, क्योंकि आदमी पहले जो भी हो, वह बीजेपी में जाते ही वहीं पहुंचकर ही दम लेगा। महिलाओं से लेकर आम बीजेपी की सत्ता को बल ले जाएंगे!

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

महंगाई मुक्ति यात्रा

बाजार और अर्थव्यवस्था पूरी तबीयत से शिकंजा जोर के लोगों को एकजुट करने के संदर्भ के साथ 'आप' 26 जनवरी से 19 दिसंबर तक 'महंगाई मुक्ति यात्रा' शुरू करेगी। हमारी व्यापक और पहली हुई गारंटियां सरल और सीधा समाधान देती हैं।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

न्यूयॉर्क में 30 साल में पहली बार खसरे से बच्चे की मौत

अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य के उत्तरी ग्रामीण इलाके में खसरे से संक्रमित एक बच्चे की मौत हो गई है। राज्य के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 30 साल में राज्य में खसरे से मौत का यह पहला मामला है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि बच्चे की मौत सिरिंक्यूज से करीब 93 150 किलोमीटर उत्तर में स्थित लुईस काउंटी में हुई। अमेरिका ने उच्च टीकाकरण दर बनाए रखकर 2000 में देश के भीतर खसरे के प्रसार को रोक दिया था। हाल के वर्षों में टीकाकरण की दर में गिरावट आई है और यह इस बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए जरूरी 95 प्रतिशत के स्तर से नीचे पहुंच गई है। डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता होचुल ने बच्चे की मौत पर दुख जताते हुए कहा, ' यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि जब वाशिंगटन जानबूझकर अमेरिकियों को ऐसी बीमारियों से बचाने की दशकों की प्रगति को कमजोर करता है तो कितना कुछ दांव पर लग जाता है।' ' रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने इस साल अमेरिका में खसरे से संबंधित तीन मौतों की पुष्टि की है। विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य विभागों ने इससे अधिक मौतों की जानकारी दी है।



ऑफ बीट

अब बलगम का रंग बताएगा आपकी सेहत

क्या आपने कभी सोचा है कि जब आप बीमार होते हैं तो आपके बलगम का रंग अलग क्यों होता है? शायद आप यह सवाल पूछने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं। वास्तव में कई कारण हैं कि जब आप बीमार होते हैं तो आपके नाक के बलगम का रंग बदल जाता है। नाक के बलगम का रंग और गाढ़ापन आपकी रोग प्रतिरोध प्रणाली के बारे में रोचक जानकारी दे सकता है, और यह भी बता सकता है कि आपका शरीर बीमारियों के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करता है। बलगम हमारे नाक के मार्ग में स्थित ऊतकों द्वारा निर्मित होता है। अक्सर इसे केवल एक दिक्कत के रूप में देखा जाता है, लेकिन बलगम एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। असल में यह एक सुरक्षात्मक अवरोधक के रूप में कार्य करता है, जो धूल, किटाणु, वायरस और अन्य कणों को श्वसन प्रणाली के गहरे भागों तक पहुंचने से रोकता है। हमारे नाक के बलगम में मौजूद लाइसोजाइम और लैक्टोफेरिन जैसे एंजाइम में रोगाणुरोधी गुण भी होते हैं। वे किटाणु की कोशिका को तोड़ते हैं और किटाणु के विकास को सीमित करने में मदद करते हैं। यह सुरक्षात्मक भूमिका बलगम को प्रतिरोधक की एक महत्वपूर्ण रेखा बनाती है, ऐसे समय में भी जब हम अस्वस्थ न हों।



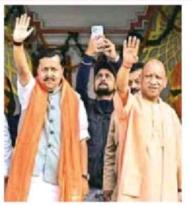
भाजपाध्यक्ष नवीन ने गोरखपुर में निकाली 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा

विपक्ष एसआईआर और ईवीएम पर सवाल उठा चुनावी हार के लिए बहाना बना रहा, हार से सबक नहीं सीखते

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे एसआईआर और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाकर अपनी चुनावी हार के लिए बहाना बना रहे हैं। नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी तीखे कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं ने ऐसे 'राजकुमारों' को खारिज कर दिया है। गोरखपुर में पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश के दो 'राजकुमारों' (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) के कारनामे ऐसे रहे हैं, जिन्हें राज्य और देश की जनता आज भी याद रखती है। राहुल को 'पार्ट-टाइम राजनेता' बताते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि वे केवल चुनावों के दौरान ही राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता पूरे साल जनसेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने विपक्षी पर यह आरोप लगाया कि वे चुनावी नतीजों को स्वीकार करने के बजाय निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाते हैं और ईवीएम में हेराफेरी का आरोप लगाते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे चुनावी हार से कोई सबक नहीं सीखते, बल्कि बहाने बनाने के साथ 'घड़ियाली आंसू' बहाते हैं।

राहुल को बताया 'पार्ट-टाइम राजनेता'



ईवीएम मामले में राहुल ने एक भी प्रमाण नहीं दिए, मैदान छोड़ा

रामलीला मैदान में एक नवंबर को विपक्ष की रैली का जिक्र करते हुए, उन्होंने दावा किया कि वहां उतनी भीड़ भी नहीं जुटी, जितनी आयोजकों ने उम्मीद की थी। यह उम्मीद की गई भीड़ का 10 प्रतिशत भी नहीं थी। एनडीए के सहयोगी देशभर में विशाल मार्च निकाल रहे हैं, जो ताकत और जनता के समर्थन को दर्शाता है।

नाम कटने का दिया ब्योरा

नवीन ने आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि इनमें से 2.5 करोड़ नाम उन लोगों के थे जिनका निधन हो चुका है, और लगभग 6 करोड़ नाम उन लोगों के थे जो अपने पंजीकृत पते से कहीं और चले गए हैं। उन्होंने 3 करोड़ से अधिक ऐसे लोगों का भी जिक्र किया, जिनके पते की पुष्टि नहीं हो सकी।

रालोद प्रमुख जयंत ने कहा

लोकतंत्र बचाओ रैली पूरे भारत की आवाज बन रही



केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने बुधवार को कहा कि गोरखपुर में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली पूरे देश की आवाज है और यह केवल शहर या पूर्वांचल क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

रवि किशन ने विपक्ष को घेरा

विपक्ष भारत में दंगे और बम धमाके वापस चाह रहा



सांसद रविकिशन ने विपक्ष पर देश में दंगे और बम धमाकों का दौर लाने की मंशा रखने का आरोप लगाते हुए कहा विपक्ष प्रधानमंत्री की चुनावी जीत और भाजपा की बढ़ती ताकत को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। गोरखपुर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान ये आरोप लगाए।

भाजपा की प्रयागराज में पदयात्रा

सिविल लाइंस में कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने के नारे लगाए



प्रयागराज। भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' में शामिल होने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि राहुल और यादव अगले 30 साल तक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने दावा किया भाजपा ही वर्तमान और भविष्य है।

पूर्णिया में गरजे असम सीएम सरमा

राहुल देश को पप्पू मॉडल और प्रधानमंत्री राम मॉडल बनाना चाह रहे

पूर्णिया। पूर्णिया में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' में एनडीए के दिग्गजों का बड़ा जमावड़ा देखने को मिला। जिला परिषद परिसर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और विपक्ष पर तीखे राजनीतिक बाण चलाए। अपने चिरपरिचित अंदाज में उन्होंने कहा, "कैसा हाल-चाल है आप लोगों का? बहुत बढ़िया है

हिमाचल में भाजपा की पदयात्रा में गरजे जयराम और अनुराग ठाकुर

चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर देश में भ्रम पैदा किया जा रहा



हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार राजनीतिक प्रदर्शन किया। पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन और पदयात्रा आयोजित की गई। इस दौरान सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने भी विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। देश में विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने का आरोप लगाया।

कर्नाटक-केरल के सीएम इस्तीफा दें

अनुराग ने कहा कि कांग्रेस को राजनीतिक रुख में स्पष्टता लानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर और चुनावी व्यवस्था का जिक्र करते हुए केरल सहित विभिन्न राज्यों के चुनावों की बात उठाई। कर्नाटक और केरल के सीएम इस्तीफा दें।

मान सरकार पर बरसे राहुल गांधी

ड्रग्स बड़ा नासूर, हर शाम नशा करने वाला नहीं कर सकता यह मुकाबला

दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया



एजेंसी ▶▶ संगरूर

यहां के गांव फगुवाला में कांग्रेस की ईंसाफ रैली में राहुल गांधी ने मान सरकार और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सबसे पहले मंच पर मौजूद दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में नशा और गैंगस्टरिज्म सबसे बड़ा संकट बन चुका है। राहुल ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला बेहद टैलेंटेड और ऊर्जावान युवा थे। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि जिस सोच ने मूसेवाला को दिन-दहाड़े और बिना डरे गोलियों से भून दिया, वह दुखद है। राहुल ने कहा कि जिस पिता को अपने जवान बेटे की अर्थी देखनी पड़े, उससे बड़ा दर्द इस दुनिया में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि मूसेवाला की सिक्योरिटी हटाने के बाद सरेआम उनकी हत्या कर दी गई।

हम पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे

राहुलने कहा कि जब वह पहले पंजाब आए थे और उन्होंने नशे की बात कही थी, तब विपक्ष के तमाम दलों बीजेपी और अकाली दल ने उनकी बात को नकारा था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक प्रदेश में उद्योग, फैक्ट्रियां और खेती-किसानी मजबूत नहीं होगी, तब तक नशा और गैंगस्टरिज्म का खात्मा नहीं हो सकता। राहुल ने कहा कि चुनाव के समय उन्होंने वादा किया था कि वे पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे। जनता ने उन पर भरोसा भी किया, लेकिन आज सवाल यह है कि सरकार ने प्रदेश के किस कोने से नशा खत्म किया है? मान पर सीधा प्रहार करते हुए राहुल ने लोकसभा के दिनों का एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने कहा कि जो मुख्यमंत्री खुद हर शाम नशे की गिरफ्त में रहता हो, वह जनता को नशे से कैसे बचा सकता है।

मान के मुंह से आती थी शराब की बदबू

राहुल ने ने कहा कि पंजाब को एक ऐसी सरकार चाहिए जो यहां के लोगों के लिए काम करे। राहुल ने कहा कि पंजाब में सबसे बड़ा मुद्दा नशा है। राहुल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर नशे को रोकने में फेल होने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि दूसरी कहानी बताता हूं, आपके चीफ मिनिस्टर के बारे में, मैं लोकसभा में था सुबह-सुबह हमारे पास बैठकर हमें चुटकुले सुनाते थे और 11 बजे सुबह उनके मुंह से शराब की बू आती थी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं तमन्ना खान (पुरानी नाम, जिसे बदला जाना है) पति फिरदोसी खान (FERDOSHI KHAN) निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० एतद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ:- मैं दरीपारा, अम्बिकापुर तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० का स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम तमन्ना खान है और मेरा नाम बदलकर अंजलीता सिंह ANJALEETA SINGH (नया नाम) अंजलीता सिंह करवाना चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगी। प्राधिकारी के स के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ। 5 NOV 2026 मैं यह शपथ पत्र अपने पुरे होश-हवाश मे रहकर कर रही हूँ

शपथकर्ता

मुश्किलों में घिरे सीईसी ज्ञानेश

रिश्वत का मामला, 20 साल पुराने केस में जांच को मंजूरी

एजेंसी ▶▶ केरलम

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरलम में उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने कथित रिश्वत मामले की जांच का रास्ता खुल गया है। राज्य सरकार ने पूर्व लोक निर्माण विभाग सचिव रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो को मंजूरी दे दी है। आरोप है कि साल 2006 में केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी गई थी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में मंत्री रमेश चेन्नित्थला ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ज्ञानेश के खिलाफ जांच की अनुमति दी है। पूर्व पीडब्ल्यूडी सचिव के खिलाफ कई तरह के आरोप लगाए गए थे, जिन्हें लेकर विजिलेंस विभाग जांच करना चाहता था।



अमेरिका में सीनेटर बने अब्दुल

ओवैसी ने कहा- अब उत्तर प्रदेश में दरी नहीं बिछाएंगे

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

अमेरिका में हुए 2026 के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। मिशिगन से सीनेट चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल सैयद की जीत ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हराकर अमेरिकी सीनेट में पहुंचने वाले पहले मुस्लिम व्यक्ति बनने का इतिहास रच दिया है। उनकी इस जीत पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए अब्दुल की जीत को उत्तर प्रदेश की सियासत से जोड़ दिया। एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब उत्तर प्रदेश के अब्दुल को अपनी सियासी पहचान मजबूत करनी होगी। हम दिखाएंगे कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं बिछाएंगे।



प्रधानमंत्री पहुंचे 'शाही' शादी में



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के शाही परिवार के राजकुमार मार्तंड सिंह और पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल की बेटी रिया बादल के विवाह रिसेप्शन में शामिल हुए।



समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राज पति (RAJ PATI) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्री धन कुमार (DHAN KUMAR) निवासी ग्राम-रामेश्वरम पोस्ट-मदनपुर, थाना-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपना नाम राज पति (RAJ PATI) (पुराना नाम) से बदल कर राखी (RAKHI) (नया नाम) रख लिया है।

राजवती
हस्ताक्षर

शपथ-पत्र

(द्वितीयप्रति स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) जारी करने बाबत)

मैं प्रिंस कुमार आ० संजय कुमार मण्डल उम्र 21वर्ष निवासी शक्तिनगर जरही तह०-जिला-सूरजपुर छ०ग० का निम्नांकित आशय का शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :- मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं कक्षा 12 वी परीक्षा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल भटगांव सूरजपुर छ०ग० से उत्तीर्ण किया हूँ। जिसका मुझे स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) जारी कर प्रदान किया गया था किन्तु कुछ माह पूर्व (जून) में मेरा स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) कहीं रास्ते में गुम हो गया है जो कि काफी खोज बिन तलाश करने के बाद भी नहीं मिला। और न ही मिलने की कोई आशा है।

मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा कक्षा 12वी की द्वितीयप्रति स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल भटगांव सूरजपुर छ०ग० से प्राप्त कराना चाहता हूँ। जिसके समबंध में मैं अपना स्वंय का शपथ-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/व-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रदेवी पत्नी मुरली प्रसाद जाति कुर्मी निवासी मिश्रा गली सूरजपुर की ओर से मुख्तार आम आकाश सिंह आ० सत्य प्रकाश सिंह निवासी भटठी रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 229/9 रकबा 0.020 हे० भूमि को अनावेदक रीना गुप्ता पति राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम छिन्दकाली तहसील दरिमा की ओर से मुख्तारनामा खास विकास कुमार गुप्ता आ० कृष्णा प्रसाद गुप्ता निवासी देवबीज रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 10,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

स्थानीय प्रशासन से आहत होकर एक बार फिर रजिया ने मांगी पुलिस अधीक्षक से न्याय की भीख

फतेहपुर, जनपद के जहानाबाद थाना प्रशासन पर गहरा आरोप लगाने वाली कस्बे की सानी गढ़वा निवासिनी 70 वर्षीय बुजुर्ग विधवा महिला रजिया पत्नी सब्बीर अपने न्याय के लिए समूचे जनपद में जगह-जगह दर-दर की ठोकर खाती नजर आ रही है जनपद के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक की कार्य कुशलता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए पीड़िता ने कई बार न्याय की गुहार लगाते हुए न्याय न मिलने की बात बताई पीड़िता ने मीडिया से रूबरू होकर बताया कि विगत लगभग 3 महीने पहले इसका एक घरेलू मामला उसके तथा उसके बच्चों के बीच का था जिसके समझौते के लिए जहानाबाद थाना प्रशासन ने समझौता के नाम पर 50000 रुपए की मांग की दाने-दाने को मोहताज बुजुर्ग महिला ने कड़ी मशक्कत करते हुए अपनी सोने चांदी की पूरी जेवर गिरवी रखकर 20000 रुपए स्थानीय प्रशासन को दिए

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/अ-20(3)/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजेश अग्रवाल आ. स्व. ओम प्रकाश अग्रवाल उम्र 49 वर्ष निवासी बगोचा, तहसील बगीचा, जिला जशपुर, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल मुख्यड क्रमांक 3467/4866/51 रकबा 180 वर्गमीटर भूमि को अनावेदक/केता विष्णु प्रसाद अग्रवाल आ. स्व. रामा नन्द अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास बिकय करने को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से दिनांक 17.11.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सोमेन्द्र, रूकसम जषि आ०स्व० गुजरा राम, भारती, जषि, आरती जषि, कार्ति जषि, भुवेन्द्र जषि, स्वाती जषि आ. स्व. भगवान दास, सभी निवासी दरीपारा, वा०तह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा माननीय न्यायालय तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 अम्बिकापुर के व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक 993/2011 में पारित निर्णय व आज्ञप्ति दिनांक 17.08.2012 के परिपालन में वादभूमि भूखण्ड क्रमांक 4024/1, 4029/1 रकबा क्रमशः 0.04, 0.05 एकड़ भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिकता के माध्यम से दिनांक 23/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 04/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that I, CHAHAK AGRAWAL, D/o NITIN AGRAWAL, resident of H. NO. 8/5 AKASHVANI ROAD, GRAMIN BANK KE SAMNE, MAHARANI LAXMI BAI WARD NO. 09, NAVAPARA, AMBIKAPUR, DISTT. SURGUJA (C.G.) 497001, hereby declare that my surname has been incorrectly spelled as "AGARWAL" in my Class X marksheet issued by the Central Board of Secondary Education (CBSE). My correct surname is "AGRAWAL", and my correct full name is CHAHAK AGRAWAL. Hence, I request the concerned authorities to take note of this spelling correction and make the necessary correction in my CBSE records, subject to verification.

CHAHAK AGRAWAL
D/o NITIN AGRAWAL
H.NO. 8/5 AKASHVANI ROAD, GRAMIN BANK KE SAMNE, MAHARANI LAXMI BAI WARD NO. 09, NAVAPARA, AMBIKAPUR, DISTT. SURGUJA (C.G.) 497001

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशिला शर्मा बेवा अनिल शर्मा व अन्य निवासी राजेन्द्र नगर बिजली आफिस के बगल में अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल छत्तीसगढ़ बिलासपुर के अपील प्रकरण कमांक 32/अ-21/2002-03 के परिपालन में ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 40/2 मेसे रकबा 0.016 हे० भूमि राजस्व अभिलेखो में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राधेश्याम मिश्रा आ०/पति रामाधार मिश्रा जाति, निवासी सतीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सतीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 757/12 रकबा 0.011 हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 02.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार बलरामपुर मथुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

-उद्घोषणा का प्रकाशनः:-

रा०प्र०क०/अ-21/2026-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम भनौरा को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक कामेश्वर गिरी पिता स्व० शिवप्रसादगिरी जाति गोसाई निवासी ग्राम भनौरा, तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम भनौरा स्थित भूमि शासकीय पड़ेत पर प्राप्त भूमि ख०नं० 329/1 रकबा 0.35 हे० भूमि में से रकबा 0.08 हे० भूमि को अपनी पुत्री की शादी एवं बिमारी के इलाज हेतु लिए गये ऋण की अदायगी करने हेतु रुपए की आवश्यकता होने के कारण आवेदक/केता उशार्कर गुप्ता पिता स्व० मिश्री साव जाति तेली के पक्ष में विक्रय अनुमति भावर धारा 165 (7-ख) छ०ग० भू-राजस्व संहिता के तहत श्रीमान कलेक्टर महोदय, के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति एवं संस्था को किसी भी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस न्यायालय में उपस्थित होकर दिनांक 13/11/2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय-सीमा गुजर जाने के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से आज दिनांक 26/10/2026 को जारी।

तहसीलदार

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

परशु आभूषण भण्डार

निगम कॉम्प्लेक्स के सामने, गुदरी बाजार रोड, अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

हॉलमार्क सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

हमारे प्रतिष्ठान में धनतेरस के शुभ अवसर पर
सोने-चांदी के आभूषण, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति,
चांदी के बर्तन, पुराने सिक्के, लक्ष्मी-गणेश के सिक्के
तथा सोने-चांदी के सिक्के एवं रत्नों की विशाल रेंज उपलब्ध है।

धनतेरस से छठ पर्व तक सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर
11.11% तथा चांदी के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 25% की विशेष छूट।

परशु आभूषण भण्डार एक बार फिर आपके लिए
लकी ड्रॉ के जरिए आकर्षक पुरस्कार लेकर उपस्थित है।

₹2,000 या उससे अधिक की खरीदारी पर पाएं एक कूपन।

कूपन का लकी ड्रॉ अगले साल 2027 के शारदीय नवरात्र
के अवसर पर होगा।

पिछले वर्ष ग्राहकों को दिए गए कूपनों का लकी ड्रॉ 13.10.2026 को हुआ।

आगामी लक्की ड्रा में मिलेंगे- प्रथम पुरस्कार फोर व्हीलर कार, द्वितीय पुरस्कार स्कूटी (5), तृतीय पुरस्कार फ्रीज (5),
वाशिंग मशीन (5), चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (50) साथ में 1000 सान्त्वना पुरस्कार

शुद्धता की पूर्ण गारंटी • 100% हॉलमार्क
आपका विश्वास ही हमारी पूंजी है!

प्रो. परशुराम सोनी
श्रीमती सुनीता सोनी
अंशुल सोनी
अमन सोनी

सुपर सेविंग योजना
1 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है।

मासिक जमा रु.	12 वें माह में कुल जमा राशि	बोनस	आप पायेंगे रु.की ज्वेलरी
1000	12000	1000	13000
2000	24000	2000	26000
3000	36000	3000	39000
4000	48000	4000	52000
5000	60000	5000	65000
10000	120000	10000	130000

लक्की ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार प्राप्त मंजुलता प्रधान अपने कार के साथ

इसके अतिरिक्त अन्य सभी पुरस्कार विजेताओं के नाम व कूपन नम्बर इस प्रकार है -

द्वितीय पुरस्कार (स्कूटी): मंजुला - 18018, सुप्रिया साहू - 20165, शशि तिवारी - 20458, तृतीय पुरस्कार (फ्रिज): पार्वती 15203, देवनारायण - 8729, प्रज्ञा पैकरा - 14919, गायत्री सिंह - 22031, रामदेव- 13887,
चौथा पुरस्कार (वाशिंग मशीन): ओ.पी.सिंह- 8383, भूपेन्दर जायसवाल- 7599, अंजु त्रिपाठी - 4318, सुनिता मेहता- 21097, सविरी सेन - 8207, पंचम पुरस्कार (मिक्सी): भूपेन्दर जायसवाल- 7575, मंजुलता सिंह- 22933, अशोक मुहावाल- 3045, राजेश राय- 2375, हरिशंकर पालिया- 1647, सोबरन राम - 2475, सन्तोष वरयाम- 18082, मंगल- 3217, स्वाती उपाध्याय- 5092, प्रदीप गुप्ता- 18598, मंजु गुप्ता - 2527, अनमोलसिंग यादव- 10179, कृष्णानन्द तिवारी - 12327, मनोज - 10710, सुरेखा - 2029, मोतीलाल - 3339, संगीता - 1982, रोहन सिंह - 14456, श्याम सिंह - 12162, रेना दहरिया - 16121, संदीप - 3944, स्वाती मिश्रा - 8478, शिवलाल सोनी - 2254, राजकुमार राजवाड़े - 11900, शिवलाल सोनी - 2236, सविता पाण्डेय - 14085, राजकुमार राजवाड़े - 11892, ललीता वेशयवाली - 12057, दिलीप सिंह - 21388, भैभव पाण्डेय - 18030, इन्दु पैकरा - 12220, अमन सिंह - 2156, अब्दुल कलाम खान - 5578, संजीप पैकरा - 21459, शिव कुमार साहू - 13904, ममता सिंह - 11515, खुशु - 15601, शिवधर ओझा - 11217, शशि तिवारी - 20495, अनिल सिंह - 8387, हरिशंकर पालिया - 1478, शिवधर ओझा - 5735, प्रेमशंकर - 11728, अनुराधा पाण्डेय - 12042, मो.जैनुल्हान - 6254, सविता पाण्डेय - 5341, देवकुमारी - 8083, गायत्री - 7117, आशीष लकड़ा - 7482, दिलीप त्रिपाठी - 3314

सांत्वना पुरस्कार:

अरुणा मिंज - 5493, नीतू पाण्डेय - 3636, सतीश कुमार - 8395, संतोष वरयाम - 18095, सोबरन राम - 2484, शत्रुघ्नन जमरो - 12373, पप्पू मुहावाल - 6026, हरिशंकर पालिया - 1690, मेघा लकड़ा - 18899, रोहन सिंह - 14458, रामकुमार - 21058, मिना सिंह - 19577, सुदेशा - 13379, संतोष वरयाम - 22831, श्वरा - 22340, जोगेन्द्र प्रसाद - 21425, रिंकना - 21398, मंगलराम - 14072, कृष्णा यादव - 16659, रेहा - 22984, रामबती - 11306, अजीत सरवार - 18881, अनुरंजन कुजूर - 12985, मिना सिंह - 19424, रौतेल खरका - 21510, शशि तिवारी - 20360, सुरेश गुप्ता - 20795, गिरजा सिंह - 10405, मानसी बीयारला - 1787, तरावन्द प्रजापती - 14744, तरावन्द प्रजापती - 14703, गायत्री सिंह - 21881, गायत्री यादव - 16175, हिम्मत गुप्ता - 9064, सुशिला तिवारी - 4516, रवि - 14947, दिनेद ठाकुर - 22305, रामनी प्रजापती - 14296, प्रदीप यादव - 7069, भैभव पाण्डेय - 1862, राजकुमार राजवाड़े - 11884, देवकुमारी - 8020, लव कुमार तिवारी - 9932, सिखा सिंह - 21186, सविता राय - 17606, डी.डी.यादव - 10342, सविता राय - 16852, पप्पू मुहावाल - 18555, अनिता लकड़ा - 19542, अनुरंजन कुजूर - 12973, अल्का खरवा - 20864, गायत्री सिंह - 21889, पंकज राय - 19808, पर्णिमा साहू - 19107, अनिता लकड़ा - 19537, सितेश कुमार - 4367, राजेश - 5970, दिशा मालन - 17401, आशीष मुहावाल - 3560, रवि प्रजापती - 5497, संतोष ठाकुर - 22429, रमशांकर यादव - 1754, देव दिवाकर - 8199, परमेश्वर टोपरामा - 6413, कृष्णानन्द तिवारी - 16047, अक्षय पाण्डेय - 8501, गायत्री सिंह - 21971, श्यामसुन्दर मुहावाल - 22396, दिपक मिश्रा - 13604, प्रमोद गुप्ता - 16620, मंजुलता प्रधान - 22363, हेमन्ती - 7306, सविता राय - 21612, दिपक राजवाड़े - 10513, सावेत सिंह - 21375, मनी लकड़ा - 19738, देवनारायण - 8709, संदीप - 8142, अनुज कुजूर - 14578, सविता पाण्डेय - 14090, प्रहलाद यादव - 16817, अनिता सिंह - 19635, बालमती प्रधान - 15342, दिपराय यादव - 11661, अमरसिंग यादव - 10198, बालमती प्रधान - 15297, उमा देवती - 13486, रमाती मुहावाल - 6761, दिनेद ठाकुर - 22303, शशि तिवारी - 20389, लक्ष्मी - 10216, रमाती मुहावाल - 4819, रौतेल खरका - 21203, मानसी बीयारला - 1780, अंजस लकड़ा - 17314, आर्यन यादव - 22554, श्वरा देवी - 16890, अमरजीत मुहावाल - 22526, अनिता सिंह - 19634, मिनता मिंज - 21409, गिरजन विश्वास - 13235, हीना - 14833, खेत सिंह - 2847, अमेती राजवाड़े - 11783, मंगलराम - 19197, अनुज कुजूर - 14573, राजन सिंह - 15106, कृष्णानन्द तिवारी - 12312, कैलाश राजवाड़े - 8814, पुनम - 12733, मंजरी मिंजा - 21790, खुलबु भारती - 13294, विद्यासरी - 11603, दिपक राजवाड़े - 10505, शशि तिवारी - 20354, ललिता पैकरा - 6566, अमृता यादव - 10443, देवनारायण - 8774, शिव यादव - 13504, मोनिका मिंजा - 15846, खुलबु भारती - 15626, अक्षय पाण्डेय - 8499, संतोष वरयाम - 3233, सुदिया - 12806, संतोष वरयाम - 22846, अनिल सिंह - 8388, प्रेम प्रधान - 22380, रौतेल सिंह - 2532, अशोक मुहावाल - 3568, देवकुमारी - 8005, एस.पी.यादव - 2094, भूपेन्दर जायसवाल - 7570, खलील - 7047, विक्तिल - 17160, देवनारायण - 8730, एस.पी.यादव - 20577, विश्वनाथ - 20590, कृष्णानन्द तिवारी - 1639, हरिशंकर पालिया - 17500, अंकित नागवंशी - 22876, जयंती सिलवार - 12269, कुनी राजवती - 21355, सावेत सिंह - 11901, रेखा सिंह - 9152, गंगा मालवार - 22315, दिनेद ठाकुर - 14499, आलोग तिवारी - 22476, सविता पाण्डे - 2702, हरिशंकर पालिया - 15353, खुलबु भारती - 11022, अभा पाण्डेय - 14466, रोहन सिंह - 19147, फुलन बीयारला - 15672, रवि साव - 21074, अनु त्रिपाठी - 17620, सविता राय - 10240, गोल्डी रानी - 21440, धनकुहर - 11275, सौरभ पाल - 2239, शिवलाल सोनी - 8291, सविता पाण्डेय - 15726, स्मेश सिंह - 9677, रोतनी पाण्डेय - 15956, वाजल - 18662, झरना सिंह घटेत - 17630, सविता राय - 16184, गंगा मालवार - 8151, संदीप - 10714, निखिल मण्डल - 15677, शिवम सिंह - 19236, शैलेश खरका - 10630, तस्लीम - 17288, मन्मोहन - 18089, संतोष वरयाम - 17980, मिना सिंह - 20725, नमीता - 12461, दीपक यादव - 4261, शिवतोलनी राजवाड़े - 9703, रोतनी पाण्डेय - 5473, पूजा जायसवाल - 2355, सतीश यादव - 6449, पुनम पैकरा - 22444, सम परतीन - 20785, विपती जायसवाल - 8248, रजीद - 20493, शशि तिवारी - 19994, अनिता सिंह - 15604, खुलबु भारती - 13417, पोतेश्वर सिंह - 14233, संजय राम - 16904, सरस्वती - 17572, सुरेश गुप्ता - 4210, शिवतोलनी राजवाड़े - 21624, वसिता राय - 10659, जितिर - 7860, अमृता - 11878, राजकुमार राजवाड़े - 19585, मिना सिंह - 4075, अंजित कुमार सिनवा - 1594, हरिशंकर पालिया - 15530, खुलबु भारती - 6370, अविना एक्का - 6534, अर्मन टोपो - 20813, अन्जुता सिंह - 18044, संतोष वरयाम - 16173, गायत्री यादव - 12008, सेवा दिवाकर - 7302, पल्लव पोदार - 22804, संतोष वरयाम - 7905, डी.एस.नगा - 7621, भूपेन्दर जायसवाल - 19588, मिना सिंह - 19815, अंगयल दीक्षित - 18627, डॉ.आस्था सोनी - 22641, हिमाशु - 19472, मिना सिंह - 16549, सुमित्र - 7114, गायत्री - 13281, विपिन जायसवाल - 17979, बिना सिंह - 2880, मुकेश - 18618, डॉ.आस्था सोनी - 15298, बालमती प्रधान - 6728, बिजेन्द्र सिंह - 8780, देवनारायण - 16643, परमिला साह - 22957, रेहा - 10843, दिलीप सिंह - 16123, रेना दहरिया - 2977, रजनी गुप्ता - 1380, अलंकार सिंह - 18375, निलम लकड़ा - 13726, ममता सिंह - 2291, सुनिल प्रसाद - 5831, लीलावती पैकरा - 2872, प्रमोद - 2195, अमन सिंह - 16091, राजनाथ - 15503, खुलबु भारती - 18823, मनेजर - 6543, बिन्दा सिंग - 21838, पी.उकार अली - 17634, वसिता - 2871, प्रसस्त राय - 7858, अनुता - 17083, एस.एकथा - 3111, वर्षा साहू - 15469, ललिमा प्रजापती - 19759, दिवा दूबे - 6019, अनुप सिनवा - 5769, शिवधर ओझा - 11575, पूजा सिंह - 2607, हरिशंकर पालिया - 16333, अन्दिा एक्का - 15178, नरसया मण्डल - 15594, खुलबु भारती - 19337, अल्का खरका - 15877, कनलाला - 1663, हरिशंकर पालिया - 15454, ललिमा प्रजापती - 17436, बिन्दु - 8134, संदीप - 17955, राजनाथ - 21633, दुलुपखरा - 19555, मीना सिंह - 9252, रिया - 20303, पुनम पैकरा - 5559, अमृत उत्तम खान - 20406, शशि तिवारी - 18357, रौशनेत सिंह - 15094, आशीष जायसवाल - 9692, रोतनी पाण्डेय - 2470, सोबरन राम - 17552, गणेद भगत - 20640, धमेती पाण्डेय - 22649, पूजा विश्वकर्मा - 21227, शैलेश खरका - 12312, कृष्णानन्द तिवारी - 20611, रवा यादव - 7012, राजेद प्रसाद गुप्ता - 9878, सुशिला - 16004, कृष्णानन्द तिवारी - 22955, रेहा - 22772, संतोष वरयाम - 4770, रमाती मुहावाल - 21893, गायत्री सिंह - 2597, अंशय परवार - 5067, स्वाती उपाध्याय - 15506, खुलबु भारती - 18698, रौशनेत ठाकुर - 21156, सिखा सिंह - 14160, बरखा - 19184, सुदरत अलसी - 2465, शांति - 22756, संतोष वरयाम - 1110, गणेश खरवा - 22988, रेहा - 12741, लखबरा केरम - 5690, एमलीवार - 2076, एस.पी.यादव - 2485, सोबरन राम - 18130, संतोष वरयाम - 4383, रौतेल देवी - 22242, जमील खान - 2321, गैरीसेकर - 15377, खुलबु भारती - 3660, आशीष मुहावाल - 13491, अन्न पेरती - 16365, संतोष वरयाम - 14906, मीन सिंहनी - 9051, हिम्मत गुप्ता - 17547, पवन कुमार पटेल - 10454, अमृता यादव - 13453, लीलावती पैकरा - 16049, कृष्णानन्द तिवारी - 15813, कनकलता - 6010, रंगी - 16650, सिखी - 21987, गायत्री सिंह - 17573, सुरेश गुप्ता - 11200, वरलाती - 20565, सिखा सिंह - 20651, हिम्मु - 7134, गायत्री - 17960, दुर्गा पैरता - 4042, रत्नना भगत - 22306, दिनेद ठाकुर - 1767, मानसी बीयारला - 1838, संतोष वरयाम - 19153, राजेद तिवारी - 13205, उमिला सिंह - 2176, अमन सिंह - 21743, अरुण ठाकुर - 22619, संतोष वरयाम - 16650, कृष्णानन्द तिवारी - 10547, ललिता पैकरा - 21171, सिखा सिंह - 22579, पप्पू मुहावाल - 11240, सरिता सोनवानी - 16168, मो.तैप - 13425, पोतेश्वर सिंह - 12942, अनुरंजन कुजूर - 18396, टाइपनमिया - 14468, रोहन सिंह - 6544, बिन्दा सिंग - 11562, सरस्वती देवी - 15587, खुलबु भारती - 19785, बिना देवी - 1602, हरिशंकर पालिया - 1853, संतोष वरयाम - 20765, अरुण ठाकुर - 17739, चन्दीश राय - 12548, सविता पाण्डे - 4438, विष्णु कुमार विश्वास - 18671, अरुण सिंह - 19701, अजीस मण्डल - 6847, प्रशासन प्रसाद - 3819, गैरीस तिवारी - 9152, गंगा मालवार - 15017, प्रेमा तिवारी - 18142, संतोष वरयाम - 20747, अरुण सिंह - 20173, प्रवेस राय - 2830, सुशांत शत्रधर - 18569, प्रमिला सिंह - 15862, गणेद्दी - 13426, पोतेश्वर सिंह - 22380, रवि देवी - 15282, बालमती प्रधान - 20941, सिखा सिंह - 20508, रवि तिवारी - 19724, मनी लकड़ा - 18687, अरुण सिंह - 20752, अंशित नागवंशी - 2521, आस्था तिवारी - 4801, रमाती मुहावाल - 13873, खुदवा सिंह - 19450, सौन सिंह - 12400, झुमरी दास - 12677, सुशिल तिवारी - 4184, शिवलोनी - 8154, संदीप - 2470, सोबरन राम - 1458, हरिशंकर पालिया - 2297, सुनिल प्रसाद - 11099, अक्कलन - 19977, डॉ.सुमित कुमार - 1431, सौर एमरेत - 22805, संतोष वरयाम - 15699, सौन जायसवाल - 4038, ममता - 14533, पैर अहिर - 8652, खुबु पारते - 3712, क्रोसा - 13761, निर्मिति - 5159, सुशी देवी - 7661, भूपेन्दर जायसवाल - 13692, सुनिता - 19604, एमलिन्दु - 8588, मंजरी - 7656, भूपेन्दर जायसवाल - 17668, अर्मन सिंग्रा - 22500, अम्बरीश यादव - 18266, सीतलाती एमैया - 6473, पुनम पैकरे - 3640, प्रसन प्रसाद - 6546, बिन्दा सिंग - 17353, अर्जुन लकड़ा - 5728, दिनेश कुजे - 17664, खुलबु - 4372, रौता देवी - 4287, अमित पाण्डेय - 8628, खबु पारते - 17877, सुशिला - 2162, अमन सिंह - 17539, पवन कुमार पोतेर - 18228, मंजरी सिंग्रा - 21053, समृद्धा - 14176, ज्योति राहत - 22523, अम्बलीत मुहावाल - 17445, सती देवी - 10423, भूपेन्दर जायसवाल - 17640, मनसाराम अहलन - 21740, अरुण ठाकुर - 13722, ममता सिंह - 1671, हरिशंकर पालिया - 10722, निखिल मण्डल - 21500, पारती - 19363, अनया खरका - 17968, दुर्गा पैरता - 13104, लक्ष्मी - 11181, फुपलसा - 14453, रोहन सिंह - 16565, दीपक कुमार - 5680, सीमा - 1628, हरिशंकर पालिया - 2232, शिवलाल सोनी - 21620, सविता राय - 4993, संझा सिंहनी - 21793, मानसी सिन्हा - 22715, संतोष वरयाम - 17288,

सिखा सिंह - 20913, प्रदीप राम - 16056, निराती पटेल - 19668, रमाती सिंह - 21887, समीर खान - 22346, रंजिता - 9346, साजल सिलवार - 9331, संगीता लकड़ा - 14335, अब्दुल वलम खान - 5512, सोहन दास - 13788, स्वाति बेरी - 7028, मनेजर सिंह - 9296, बिन्दु - 17452, राहुल सिंघ - 21848, अरुण ठाकुर - 20763, मंजुलता प्रधान - 22109, रंजिता - 16194, निलम सिंहनी - 3878, अंजस लकड़ा - 17349, बंसती दास - 12119, ललीता वेशयवानी - 11845, रामबती - 11336, गायत्री सिंह - 22047, दमस्त - 16697, पवन पोद्दार - 7255, पुनम साहू - 20994, भूपेन्दर जायसवाल - 7797, सिखा सिंह - 20944, गायत्री सिंह - 21914, मो.हासम - 9395, सुरेखा - 2031, अम जायसवाल - 15180, धमेती पाण्डेय - 19973, रेहा टोपो - 18220, एम.डी.नदीर - 21718, अरुण ठाकुर - 21744, धम्मी बाई - 4621, दिव्या बीयारला - 5876, बेबी अग्रीन - 19126, डी.एस.नगा - 7929, खलील - 7050, दिनेश - 16804, अशोक मुहावाल - 3575, एस.पी.यादव - 2105, राहुल गुप्ता - 10320, प्रीति मिंज - 20089, राजनाथ - 7324, अनुज कुजूर - 14568, सिखा सिंह - 20935, स्मेश कुमार - 20179, सुरेन्द्र - 1948, मंजुला - 1824, मनेहर राजवाड़े - 1146, मानो - 17948, सविता पाण्डे - 12532, विमरो हेम्ब्रा - 13031, मंजि - 18804, निर्मल हिंदेरी - 13987, राजनी - 13752

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर

अंधेरे में मनेगी तीन दर्जन गांवों की दिवाली, आश्वासन को बीत गए एक साल, अब तक नहीं पहुंची बिजली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। देशभर में दीपावली का त्योहार रोशनी और खुशियों के साथ मनाने की तैयारियां चल रही हैं, लेकिन सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर पहाड़ी अंचल के तीन दर्जन गांवों में इस बार भी दिवाली अंधेरे में मनाने की मजबूरी है। गांवों में न बिजली पहुंची और न ही वर्षों से बंद पड़े सोलर पावर प्लांटों की मरम्मत हो सकी। ऐसे में ग्रामीणों की जिंदगी आज भी ढिबरी और लालटेन के भरोसे चल रही है। क्षेत्र के महुली, कोल्हुआ, कछवारी, करौंटी, चोगा, कछिया, खैरा, रामगढ़, उमझर, रसौकी, जुड़वनिया, खोहीर, बैजनपाट, लुल्ह, भुन्डा, तेलाईपाठ, बसनारा, कैलाशनगर, छतरंग, मोहरसोप सहित अन्य गांवों में अब तक नियमित विद्युत सुविधा नहीं पहुंच सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बिजली पहुंचाने के आश्वासन मिलते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही समस्या फिर उपेक्षित रह जाती है।

सोलर प्लांट भी वर्षों से बंद

एक साल बाद भी कागजों में सिमटा आश्वासन

ग्रामीणों के अनुसार करीब एक साल पहले विद्युत विस्तार को लेकर भैयाथान एसडीएम द्वारा गांवों में बिजली पहुंचाने की स्वीकृति मिलने और जल्द काम शुरू होने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन सालभर बीत जाने के बाद भी गांवों तक बिजली नहीं पहुंची है।

बंद पड़े सोलर प्लांट, ढिबरी के सहारे जिंदगी

क्षेत्र के विद्युतविहीन गांवों में करीब दस वर्ष पहले क्रेडा विभाग द्वारा सोलर पावर प्लांट और घरों में होम लाइट लगाई गई थी। शुरुआती दिनों में इनसे ग्रामीणों को रोशनी मिली, लेकिन रखरखाव के अभाव में धीरे-धीरे उपकरण खराब होते गए। ग्रामीणों के मुताबिक कई सोलर पावर प्लांट और होम लाइट पिछले एक से दो वर्षों से बंद पड़े हैं। कुछ स्थानों पर सोलर सिस्टम पूरी तरह खराब हो चुका है। शिकायतों के बावजूद मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों को रात में ढिबरी और लालटेन जलाकर गुजारा करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्रेडा विभाग के अधिकारी लंबे समय से बंद पड़े सोलर प्लांटों की सुध लेने गांवों तक नहीं पहुंच रहे हैं। इससे शासन की वैकल्पिक ऊर्जा योजना का लाभ भी लोगों को नहीं मिल पा रहा है।



जनवरी 2026 में भी क्षेत्र के ग्रामीणों ने विद्युत विस्तार की मांग को लेकर करीब पखवाड़ेभर विरोध प्रदर्शन किया था। उस दौरान विद्युत अधिकारियों ने लिखित आश्वासन देकर तीन महीने के भीतर विद्युत विस्तार कार्य शुरू कराने की बात कही थी। इसके बावजूद कई गांवों में अब तक काम शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय बिजली पहुंचाने के वादे किए जाते हैं, अधिकारी सर्वे और प्रस्ताव तैयार करने की बात कहते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही समस्या फिर उपेक्षित रह जाती है।

बच्चों की पढ़ाई पर संकट

बिजली और पर्याप्त रोशनी के अभाव में गांवों के बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। विद्यार्थियों को ढिबरी और लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करनी पड़ रही है। शाम होते ही गांवों में अंधेरा छा जाता है। गर्मी के दिनों में पंखे की सुविधा नहीं मिलती और मोबाइल चार्ज करने के लिए भी दूसरे गांवों या दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ता है।

हाथियों के आतंक के बीच अंधेरे का डर

चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के कई गांव गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के जंगलों से लगे हुए हैं। क्षेत्र में जंगली हाथियों की आवाजाही भी लगातार बनी रहती है। ऐसे में रात के समय बिजली नहीं होने से ग्रामीणों में अनहोनी का डर बना रहता है। अंधेरे में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने में परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगली जानवरों की मौजूदगी के बीच गांवों में रोशनी की व्यवस्था बेहद जरूरी है, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल नहीं हो रही है।

वन अनुमति और शासन की स्वीकृति का इंतजार

क्षेत्र के अधिकांश गांव जंगलों से घिरे हैं। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान की सीमा में बसे गांवों तक बिजली पहुंचाने के लिए वन एवं पर्यावरण संबंधी अनुमतियों की आवश्यकता होती है। वहीं सामान्य वन क्षेत्रों में विद्युत विस्तार के लिए वन विभाग की अनापत्ति भी जरूरी है। विद्युत विभाग द्वारा कुछ गांवों में वन विभाग की अनापत्ति मिलने के बाद विद्युत विस्तार का प्रस्ताव शासन को भेजे जाने की जानकारी दी गई है। लेकिन प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने और बजट उपलब्ध होने के बाद ही कार्य आगे बढ़ने की स्थिति है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सर्वे, प्रस्ताव और अनुमति की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन उन्हें अब तक बिजली की सुविधा नहीं मिल सकी है।

एक ओर शहरों और बिजली सुविधा वाले गांवों में दीपावली पर घर-घर रोशनी की जाती है, वहीं चांदनी बिहारपुर के दूरस्थ गांवों में ग्रामीणों को ढिबरी और लालटेन के सहारे त्योहार मनाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विद्युत विस्तार के लिए भेजे गए प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति देकर काम शुरू कराया जाए तथा बंद पड़े सोलर पावर प्लांटों और होम लाइटों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि गांवों में बिजली की रोशनी चाहिए, ताकि उनके बच्चे भी उजाले में पढ़ सकें और वे भी अन्य गांवों की तरह रोशनी के साथ दीपावली मना सकें।

पत्नि को नाबालिग के साथ आपत्तिजनक हालत में देख पति ने दोनों को बेदम पीटा

एम्बुलेंस बुलाकर पहुंचाया अस्पताल, 15 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर जिला के थाना शंकरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में दशकर्म कार्यक्रम में मां के साथ शामिल होने गए 15 वर्षीय किशोर व एक विवाहिता से बेदम पिटाई करने का मामला सामने आया है। दोनों को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया, यहां लड़के की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की मां के बयान के आधार पर स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है, और शंकरगढ़ थाना पुलिस को इसकी सूचना दी है।

जानकारी के मुताबिक, शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के डीपाडीह का 15 वर्षीय मृतक 4 नवंबर को गांव के गजेंद्र पैकरा के यहां मां के साथ दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने गया था। दोपहर करीब 11.30 बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने मृतक की मां को बताया कि उसके बेटे को गजेंद्र पैकरा ने अपनी पत्नी के साथ नए प्रधानमंत्री आवास में आपत्तिजनक स्थिति में देखा और मारपीट कर रहा है। इसकी सूचना मिलते ही जब वह गजेंद्र की मां के साथ नए घर पहुंची, तो वहां उसका लड़का बेहोश पड़ा था, बात नहीं कर पा रहा था, उसके सिर में गंभीर चोट आई थी और खून निकल रहा था। वहीं गजेन्द्र की पत्नि के शरीर में भी चोट के निशान थे। दोनों के साथ गजेंद्र पैकरा हाथ-मुक्का और डंडे से मारपीट किया थी। इसके बाद गजेंद्र खुद 108 एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और दोनों को शंकरगढ़ अस्पताल ले गया। शंकरगढ़ में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने इन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। एंबुलेंस से ही दोनों को गजेंद्र के साथ अंबिकापुर लाया गया, यहां डॉक्टरों ने इन्हें भर्ती कर लिया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 4 नवंबर की रात करीब 12 बजे डॉक्टरों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां ने अपने बयान में कहा है कि उसके बेटे की मौत मारपीट में आई चोटों के कारण इलाज के दौरान हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। शंकरगढ़ थाना पुलिस अब आरोपी के विरूद्ध हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज करेगी। महिला का गंभीर हाल में इलाज जारी है।

कुएं में गिरने से 8 माह की गर्भवती महिला व गर्भस्थ शिशु की मौत

मासूम के रोने, चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बाहर निकाला

लखनपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केवरी में बुधवार शाम नहाने के दौरान कुएं में गिरने से 8 माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला और उसके गर्भस्थ शिशु को मृत घोषित कर दिया।



जानकारी के मुताबिक, मृतका लक्ष्मनिया पति राम दयाल 30 वर्ष बुधवार को शाम करीब 4 बजे कुएं में नहाने गई थी। इसी दौरान उसका पैर फिसला और वह गहरे कुएं में गिर गई। हादसे के समय उसके साथ करीब 2 साल का छोटा बच्चा भी था। बच्चे के जोर-जोर से रोने, चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास खेतों में धान की कटाई कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि बच्चे की मां कुएं में गिर गई है। ग्रामीणों ने बिना देर किए कुएं में उतरकर महिला को बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल लेकर गए, यहां शाम करीब 5.30 बजे डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला और गर्भ में पल रहे 8 माह के शिशु को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्राम केवरी में शोक का माहौल है। सूचना पर लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दी है। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

19 साल की मिठास, शुद्धता का विश्वास

सूरजपुर से शुरू हुआ सफर अब पूरे छत्तीसगढ़ मे बंसल स्वीट्स की अलग पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मिठाइयों के बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने वाला बंसल स्वीट्स आज शुद्धता, स्वाद और गुणवत्ता का पर्याय बनता जा रहा है। शुद्ध देसी घी से तैयार पारंपरिक मिठाइयों और आकर्षक ड्रायफ्रूट्स गिफ्ट पैक के चलते बंसल स्वीट्स ने ग्राहकों के बीच खास पहचान बनाई है। बंसल स्वीट्स के संचालक दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि ग्राहकों के स्वाद और पसंद को ध्यान में रखते हुए यहां मिठाइयों की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराई गई है। इनमें मोतीचूर लड्डू, काजू कतली, मूंग बर्फी, चंद्रकला, गोंद लड्डू, बेसन लड्डू, मिल्क केक, कलाकंद, स्पेशल पिन्नी, गुलाब जामुन, सोहन पापड़ी, डोडा बर्फी,रसमलाई, छेना टोस्ट और नारियल लड्डू जैसी कई खास मिठाइयां शामिल हैं।



और साथ ही तरह तरह की नमकीन आइटम उपलब्ध है। त्योहारी सीजन और शादी-ब्याह के अवसरों को खास बनाने के लिए बंसल स्वीट्स में आकर्षक गिफ्ट पैक, प्रीमियम ड्राई फ्रूट्स बॉक्स और खूबसूरत पैकिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। ग्राहकों की जरूरत और बजट के अनुसार अलग-अलग डिजाइन एवं वैरायटी के गिफ्ट पैक उपलब्ध हैं। प्रतिष्ठान का उद्देश्य सिर्फ मिठाइयां बेचना नहीं, बल्कि हर खास मौके को स्वाद और मिठास से यादगार बनाना है। शुद्धता, बेहतरीन स्वाद और ग्राहकों का विश्वास ही बंसल स्वीट्स की सबसे बड़ी पहचान है। प्रतिष्ठान के संचालक श्री अग्रवाल ने बताया कि हमारे यहां स्वयं की डेयरी से निर्मित दुध से शुद्ध खोवा और छेना की मिठाई तैयार की जाती है।

किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : नेताम

0 माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में हुआ गन्ना खरीदी मूल्य वृद्धि पर आभार एवं कृषक चौपाल 0 किसानों को किया गया बोनस राशि का वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गुरुवार को गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के उपलक्ष्य में आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में गन्ना उत्पादक किसानों ने खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री नेताम ने किसानों को संबोधित करते हुए शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी तथा गन्ना उत्पादक किसानों को बोनस राशि का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि किसान धरतीपुत्र हैं, जिनके अथक परिश्रम और मेहनत से देश की खाद्यान्न संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने किसानों की प्रसन्नता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। मंत्री श्री नेताम ने माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की मांग और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शक्कर कारखाने की स्थापना की दिशा में पहल की गई थी। जिसका उद्देश्य स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना तथा क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि अब शक्कर कारखाने को और अधिक विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी उपयोगिता एवं आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाने की आवश्यकता है।



कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गन्ना खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर दलहन, तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से कम पानी एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के माध्यम से भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के प्रयासों से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों के साथ-साथ गन्ना उत्पादक किसानों के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि रिवॉल्विंग फंड की घोषणा से गन्ना उत्पादक किसानों में नया उत्साह है। उन्होंने कहा कि आगामी कार्ययोजना के अनुरूप शक्कर कारखाने की रिकवरी दर में वृद्धि तथा गन्ने के खेती रकबे के विस्तार के लिए विशेष प्रयास किया जायेगा। इससे शक्कर कारखाने की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ किसानों को भी अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों की आय में वृद्धि एवं गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। कृषक चौपाल के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों ने अपने अनुभव, सुझाव एवं आवश्यकताओं को साझा किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने किसानों की बातों को सुना तथा कृषि क्षेत्र के विकास एवं किसानों की सुविधाओं के विस्तार के प्रति शासन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, एसडीएम रमेश मोर, कृषि अधिकारी सुश्री सम्पदा पैकरा, सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित रहे।

सेवा किटी द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा किटी समूह द्वारा आयोजित महाविद्यालय और हाईस्कूल स्तर की निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। इस वर्ष का विषय 'स्वतंत्र भारत में युवा आक्रोश के कारण और निदान' रखा गया था।

समारोह संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग डॉ. राजेश कुमार सिंह के मु य आतिथ्य, डॉ. अंजन सिंह प्राचार्य शिक्षा महाविद्यालय एवं हरकेवल दास महराज की अध्यक्षता तथा प्राचार्य अपर्णा दुबे शासकीय कन्या शाला, संरक्षिका डॉ. पुष्पा सोनी एवं रंजय स्वर्णकार के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। समूह की संस्थापिका वंदना दत्ता ने स्वागत अभिनंदन कर सेवा किटी समूह द्वारा 2019 से निरंतर किए जा रहे सेवा एवं जनहित के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विगत 3 वर्षों से स्वतंत्रता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष केंद्रीय जेल के निरुद्ध युवाओं ने भी प्रतियोगिता में सहभागिता की। निबंधों में आए सुझावों में मु य रूप से युवाओं में बढ़ते असंतोष का कारण रोजगार में तलाशने की जरूरत पर बल दिया गया।



मु य अतिथि डॉ. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि अभी तक किटी का अर्थ मनोरंजन ही जानते थे, पर शहर की महिलाएं सेवा किटी चलाकर समाज में जनहित के कार्य कर रही हैं यह सराहनीय पहल है। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति और रचनात्मक अभिव्यक्ति को स्थान मिलता है। समूह ने सामाजिक सरोकार से अपनी अच्छी पहचान बनाई है।' पत्रवाज' के तहत समूह बालक-बालिकाओं के बीच सार्थक संवाद कर उन्हें जीवन में नई दिशा देने का निशुल्क सहयोग कर रहा है जो प्रशंसनीय है। डॉ. अंजन सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता में उनकी संस्था के प्रशिक्षार्थी हमेशा सहभागी रहेंगे। अपर्णा दुबे एवं डॉ. पुष्पा सोनी ने कहा कि गृहिणी बहनों को इस मंच से जुड़कर समाज सेवा और अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने समूह द्वारा संचालित जिला चिकित्सालय के निशुल्क चाय सेंटर एवं अभिरुचि केंद्र की भी सराहना की।

समारोह में विजेताओं को अतिथियों द्वारा स मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। तीज उत्सव की विजेताओं ज्योति द्विवेदी, डॉ. पुष्पा सोनी, सत्या दुबे, मधु चौदह, स्मिता तिवारी को भी स मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संतोष पांडे जया तिवारी, लिली बसु, कुंजबाला जायसवाल, सरिता भाटिया, रश्मि गुप्ता, पूनम जायसवाल, श्रद्धा खेरपाण्डे, नीलिमा गोयल, च्यती अग्रवाल, नीलिमा मिश्रा, बलविंदर ट्रेहेजा, वंदना सिंह, दीपमाला सिंह, तुलसी शर्मा, नमिता चावला, अल्पना मिश्रा, चंद्रा सिंह, नीलू त्रिपाठी सहित हस्केल दास, गर्ल्स कॉलेज, पीजी कॉलेज, होलीक्रॉस स्कूल, विक्टोरिया पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, मल्टीपरपज, पुलिस लाइन हाई स्कूल के लगभग 100 विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपरा और प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीकः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

आंचलिक करम पूजा महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री, करम राजा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय फरसाबहार विकासखंड के ग्राम बनगांव में आयोजित आंचलिक करम पूजा महोत्सव 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भगवान महादेव एवं माता पार्वती, छत्तीसगढ़ महतारी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और वीर बुधु भगत के छायाचित्रों पर दीप प्रज्वलित कर नमन किया। बनगांव में आयोजित आंचलिक करम पूजा महोत्सव पूरे उत्साह, उल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नर्तक दलों सहित 6 हजार से अधिक उरांव समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में करम राजा के चारों ओर ढोल-नगाड़ों और मांदर की थाप पर सामूहिक नृत्य कर अपनी आस्था और सांस्कृतिक एकजुटता का परिचय दिया। मुख्यमंत्री श्री साय भी मांदर की थाप पर नर्तक दलों के साथ शामिल हुए और पारंपरिक नृत्य कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान दौरान ग्राम बनगांव में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये, अखड़ा निर्माण, सीसी रोड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही सहसपुर में मिनी स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की।

करम परब प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन का प्रतीक

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, प्रेम और सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा विकसित की, वह आज भी समाज को महत्वपूर्ण संदेश देती है। करम परब इसी जीवनदर्शन का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिक जीवन के मूल्यों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। जनजातीय समाज ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। करम परब हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हमारी संस्कृति और परंपराओं में पूर्वजों का ज्ञान, जीवनमूल्य और समाज को एकजुट रखने की भावना समाहित है। आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखना भी जरूरी है। युवा पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक पर्वों से जुड़ी रहे, तभी हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रह सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एक मंच पर लाने और आपसी संबंधों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन अवसरों पर नई पीढ़ी को समाज के वरिष्ठजनों से अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने-समझने का अवसर मिलता है।

मांदर की थाप पर मुख्यमंत्री ने नर्तक दलों के साथ मिलाए कदम, बनगांव में सामाजिक भवन के लिए 50 लाख सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की घोषणाएं



आदिवासी समाज का इतिहास शौर्य, बलिदान और संघर्ष की गौरवगाथा

मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास शौर्य, बलिदान और संघर्ष की अमिट गाथाओं से भरा हुआ है। देश की आजादी की लड़ाई में जनजातीय वीर नायकों का योगदान अतुलनीय रहा है। 1857 की क्रांति से पहले ही जनजातीय वीरों ने मुगल और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष शुरू कर दिया था। रानी दुर्गावती, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर, गेंद सिंह और वीर बुधु भगत जैसे महान नायकों ने अपने साहस और बलिदान से इतिहास में अमिट स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष किया। वहीं शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल और भुखमरी के समय जरूरतमंद लोगों को अनाज उपलब्ध कराने के लिए अंग्रेजों के गोदाम खुलवा दिए। जनहित में उठाए गए इस कदम के कारण अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें फांसी दे दी। छत्तीसगढ़ में ऐसे कई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हुए, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने उरांव समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए बिहार के ऐतिहासिक रोहतासगढ़ का प्रसंग भी साझा किया। उन्होंने बताया कि मुगलों के साथ युद्ध के दौरान जब उरांव समाज के पुरुषों के सामने चुनौती खड़ी हुई, तब समाज की माताओं और बहनों ने पुरुषों का वेश धारण कर हथियार उठाए और युद्ध में मुगलों को परास्त किया। यह उरांव समाज की महिलाओं के अदम्य साहस, वीरता और शौर्य का परिचायक है। उन्होंने जनी शिकार की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन उरांव समाज की ऐतिहासिक वीरता और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा है। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाली यह परंपरा महिलाओं के शौर्य प्रदर्शन का अनूठा उदाहरण है। इसमें महिलाएं पारंपरिक रूप से पुरुषों का वेश धारण कर तीर-धनुष और अन्य पारंपरिक हथियारों के साथ भाग लेती हैं। मुख्यमंत्री ने अपने जीवन में गुरु स्वर्गीय श्री धनपति पंडा के योगदान को भी याद किया। उन्होंने बताया कि बचपन में पिता के निधन के बाद उन्होंने श्री धनपति पंडा से गुरु दीक्षा ली और उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़े। गुरु धनपति पंडा के प्रयासों से हिंदू उरांव समाज के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब नई पीढ़ी आधुनिक शिक्षा और विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, पूर्वजों की विरासत और सामाजिक मूल्यों से भी जुड़ी रहे।

मोदी की गारंटी को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतार रही सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप प्रदेश सरकार माताओं-बहनों, किसानों, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के हित में लगातार काम कर रही है। महतारी वंदन योजना के तहत दीपावली से पहले प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात मिली है। राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में योजना की 33वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि अंतरित की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है। सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, पराक्रम और बस्तरवासियों के सहयोग से आज बस्तर नक्सलवाद की चुनौती से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 पक्के आवास तैयार हो रहे हैं। किसानों की खुशहाली राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। प्रदेश में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। किसानों को लंबित बोनस का भुगतान कर उनसे किया गया वादा भी पूरा किया गया है। वहीं भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों और पात्र हितग्राहियों को प्रदेश के बाहर स्थित प्रमुख तीर्थस्थलों की निःशुल्क यात्रा कराई जा रही है।

जशपुर में शिक्षा, खेल और अधोसंरचना विकास को मिल रही नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जशपुर जिले में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। जिले में मेडिकल की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और आर्चरी अकादमी विकसित की जा रही है। कुनकुरी विकासखंड के हरांडांड में राज्य का पांचवां 400 केवी विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में सड़क, पुल-पुलिया और सिंचाई अधोसंरचना के विकास के लिए भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य जिले के प्रत्येक क्षेत्र तक विकास और जनसुविधाओं का लाभ पहुंचाना है।इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, आंचलिक करम पूजा महोत्सव के अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश भगत, कार्यकारी अध्यक्ष श्री बलराम भगत, आयोजन समिति के श्री गुलाब राम, श्री बोधसाय भगत, श्री संजय निकुंज, श्री देवदत्त निकुंज सहित बड़ी संख्या में उरांव समाज के लोग एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन को दिखाई हरी झंडी

ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क डिजिटल शिक्षा को मिलेगी नई उड़ान

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन फ्लैग-ऑफ समारोह का आज जशपुर विश्राम गृह में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर वैन को रवाना किया

इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के अवसर पहुंचाना है।



N I I T फाउंडेशन द्वारा इंडस टावर्स के सहयोग से संचालित यह पहल जशपुर जिले के ग्रामीण समुदायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन जशपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों तक पहुंचेगी और 12 से 60 वर्ष तक के लोगों को निःशुल्क डिजिटल शिक्षा एवं कौशल विकास का अवसर प्रदान करेगी।

इस पहल के अंतर्गत ग्रामीण बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं अन्य समुदायों के लिए एक महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इसमें डिजिटल लिटरेसी (Digital Literacy), साइबर सिक्योरिटी (Cyber Security) और बेसिक आईटी (Basic IT) जैसे महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसका उद्देश्य लोगों को डिजिटल तकनीक का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग सिखाना तथा उन्हें डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस पहल की सराहना की तथा डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन का अवलोकन किया।

उन्होंने बस में उपलब्ध आधुनिक डिजिटल सुविधाओं और प्रशिक्षण व्यवस्था में विशेष रुचि दिखाई।

इतना ही नहीं, उन्होंने बस के अंदर उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं का उपयोग करते हुए ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस कॉल में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री की इस सकारात्मक प्रतिक्रिया और प्रोत्साहन से पूरी टीम का उत्साह बढ़ा।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने भी कार्यक्रम के प्रति अपना सकारात्मक समर्थन व्यक्त किया तथा जशपुर जिले में इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में इंडस टावर्स के प्रतिनिधियों की भी विशेष उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने संवाद किया और NIIT फाउंडेशन द्वारा संचालित इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय में इंडस टावर्स के श्री रजनीश जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर NIIT फाउंडेशन के नेशनल हेड श्री पूर्णेन्दु हुड्डा एवं प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर श्री जितेंद्र राठौर उपस्थित रहे। उन्होंने जशपुर परियोजना को आवश्यक मार्गदर्शन, सहयोग एवं बेहतर समन्वय प्रदान किया।

साथ ही, NIIT फाउंडेशन की जशपुर टीम ने सामूहिक प्रयास और समर्पण के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल

डिजिटल ट्रांसफॉर्मिंग वैन केवल एक मोबाइल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण समुदायों को डिजिटल दुनिया से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इसका उद्देश्य डिजिटल शिक्षा की पहुंच बढ़ाना, डिजिटल विभाजन को कम करना तथा ग्रामीण बच्चों, युवाओं, महिलाओं और अन्य समुदायों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है।

एक महीने के निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण नागरिक डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और बेसिक आईटी का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल निश्चित रूप से जशपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता, शिक्षा और कौशल विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

NIIT फाउंडेशन और इंडस टावर्स की यह संयुक्त पहल डिजिटल रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर जशपुर के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जल संसाधन विभाग की 56.66 करोड़ रुपये की चार सिंचाई योजनाओं का किया भूमि-पूजन'

'पमशाला एनीकट से 09 गांवों की 1980 हेक्टेयर कृषि भूमि को मिलेगी सिंचाई सुविधा, भेलवा और बारो एनीकट से भी किसानों को होगा लाभ'

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जिले के फरसाबहार विकासखंड के ग्राम बनगांव में आयोजित आंचलिक करम पूजा महोत्सव 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने करम राजा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भगवान महादेव एवं माता पार्वती, छत्तीसगढ़ महतारी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और वीर बुधु भगत के छायाचित्रों पर दीप प्रज्वलित कर नमन किया।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जल संसाधन विभाग अंतर्गत जशपुर जिले में कुल 56 करोड़ 66 लाख 39 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत चार महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इन योजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा तथा किसानों को खेती-किसानी के लिए बेहतर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

भूमि-पूजन के अंतर्गत विकासखंड फरसाबहार में कोकिया व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य की अनुमानित लागत 16 करोड़ 17 लाख 01 हजार रुपये है। इसके पूर्ण होने से क्षेत्र की जल संसाधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इसी प्रकार ईब नदी पर 28 करोड़ 02 लाख 91 हजार रुपये की लागत से पमशाला एनीकट निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया गया। इस योजना के प्रथम चरण में एनीकट का निर्माण किया जाएगा तथा द्वितीय चरण में आसपास के 09 ग्रामों की लगभग 1980 हेक्टेयर कृषि भूमि को दबावयुक्त उद्वहन सिंचाई प्रणाली के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे क्षेत्र के किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा कृषि कार्यों में सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भरता कम होगी।

वहीं खाड़ुंग नदी पर 5 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से भेलवा एनीकट निर्माण कार्य का भी भूमि-पूजन किया गया। इस योजना के पूर्ण होने से आसपास के किसानों द्वारा अपने स्वयं के साधनों से लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

इसी क्रम में कोकिया नदी पर 7 करोड़ 06 लाख 47 हजार रुपये की लागत से बारो एनीकट निर्माण कार्य का भी भूमि-पूजन किया गया। इस योजना के पूर्ण होने से आसपास के किसानों द्वारा अपने स्वयं के साधनों से लगभग 125 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

इस क्रम में कोकिया नदी पर 7 करोड़ 06 लाख 47 हजार रुपये की लागत से बारो एनीकट निर्माण कार्य का भी भूमि-पूजन किया गया। इस योजना के पूर्ण होने से आसपास के किसानों द्वारा अपने स्वयं के साधनों से लगभग 150 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे क्षेत्र के कृषकों को खेती के लिए अतिरिक्त जल संसाधन उपलब्ध होंगे और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देते हुए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को खेती के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो, उनकी फसलें बेहतर हों और कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बने। जशपुर जिले में इन चार महत्वपूर्ण योजनाओं का भूमि-पूजन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन कार्यों से क्षेत्र में जल संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों की समृद्धि को नई गति मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, आंचलिक करम पूजा महोत्सव के अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश भगत, कार्यकारी अध्यक्ष श्री बलराम भगत, आयोजन समिति के श्री गुलाब राम, श्री बोधसाय भगत, श्री संजय निकुंज, श्री देवदत्त निकुंज सहित बड़ी संख्या में उरांव समाज के लोग एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बगिया कैम्प कार्यालय में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को अपने बगिया स्थित कैम्प कार्यालय में आम नागरिकों से भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याएं, मांगें और आवश्यकताएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने इलाज, आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदन मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री साय ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम किया जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और आम लोगों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह